तापमान
अधिकतम 37 .8 डिग्री
न्यूनतम 20 .9 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 31 मई 2026

12 तकनीकी खराब के कारण समय पर शुरू ...

12 मानसून से पहले मेयर ने लिया सफाई का जायजा

खबर संक्षेप

फर्जी दस्तावेजों से प्रॉपर्टी आईडी बनवाने का आरोप

यमुनानगर। शहर के यमुना गली निवासी ललित आर्य ने मनीष गर्ग व उसकी पत्नी पूजा घर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर मकान की प्रॉपर्टी आईडी अपने नाम करवाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। कैनाल रेस्ट हाउस रोड यमुना गली निवासी ललित आर्य ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका यमुना गली में मकान है। आरोपी मनीष गर्ग व उसकी पत्नी पूजा गर्ग ने उसके मकान के फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्रॉपर्टी आईडी अपने नाम करवा ली।

स्टील की रेलिंग चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। पुलिस ने मटका चौक से स्टील की रेलिंग चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश कर जांच शुरु कर दी है। राजेश कॉलोनी जगाधरी निवासी किशन पंवार ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनकी अरोडा वंश समाज के नाम से संस्था है। उनकी संस्था ने जनवरी 2023 में मटका चौंक पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया था। जिसकी लंबाई लगभग 70 फिट थी। जिसकी चार दिवारी स्टील की रेलिंग द्वारा कि हुई थी । गत 19 मई को उनको पता चला कि वहां जो चारदीवारी स्टील की रैलिंग से की हुई थी वहां लगभग 15 से 20 फुट रैलिंग गायब है। गत 17 मई की रात को किसी नाम पता नामालुम चोरों ने स्टील की रैलिंग उखाड़कर चोरी कर कर ली है।

जानलेवा हमला करने का पांचवा आरोपी पकड़ा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने चाय की दुकान पर युवकों पर जानलेवा हमला कर मारपीट करने के मामले में पांचवें आरोपी अनमोल (गांव टाटका) को गिरफ्तार किया है। 26 मई को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर बाबैन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि घटना 19 मई को गांव प्रहलादपुर की चाय की दुकान पर हुई थी, जहां 4-5 युवकों ने लाठी, बिंडे और गंडासी से हमला किया था। इससे पहले पुलिस सोनू, पारस, सौरभ और पारस कुमार को गिरफ्तार कर चुकी थी। पुलिस ने आरोपियों से वारदात स्थल की निशानदेही करवाई तथा मोटरसाइकिल और गंडासी बरामद की। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

हत्या के मामले में काट रहा था उम्रकैद, जमानत पर आते ही शुरू की वारदातें

20 से अधिक स्नेचिंग वारदातों का आरोपी शातिर चोर गिरफ्तार

- पुलिस से बचने के लिए निर्माणाधीन पुल से लगाई छलांग, पैर में लगी चोट
- बुजुर्ग महिलाओं को बनाता था निशाना, अंबाला में पांच वारदातें कबूलीं
- चंडीगढ़ और पंजाब में करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज, पुलिस ने रिमांड पर लिया अब और खुलासे होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

सीआईए-2 की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाकर दहशत फैलाने वाले एक शातिर स्नेचर को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ पहले से चंडीगढ़ और पंजाब में करीब 20 मामले दर्ज हैं। सीआईए प्रभारी उप निरीक्षक रवि कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान सतनाम सिंह उर्फ सत्तू के रुप में हुई है जोकि ओल्ड एयरपोर्ट चंडीगढ़ का रहने वाला बताया जा रहा है।

फिल्मी अंदाज में भागने की कोशिश

बीते रोज बलदेव नगर क्षेत्र में मुस्तैद सीआईए टीम की गाड़ी को देखकर आरोपी खौफ में आ गया। रिंग रोड की तरफ फरार होने लगा। पुलिस को पीछे आता देख पकड़े जाने के डर से आरोपी अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर एक निर्माणाधीन पुल से नीचे कूद गया, जिससे उसकी टांग में गंभीर चोट आई। सीआईए टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत काबू किया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

6 साल जेल में सजा

पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी सतनाम उर्फ सत्तू एक अत्यंत शातिर किस्म का अपराधी है। उसे न्यायालय द्वारा एक हत्या के मामले में उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा सुनाई जा चुकी है। वह करीब 6 साल जेल में सजा काटने के बाद हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। बाहर आते ही दोबारा अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गया।

सीआईए प्रभारी ने बताया कि आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा ताकि अंबाला और आसपास के क्षेत्रों से छीने गए सोने के जेवरात व वारदात में इस्तेमाल सामान बरामद किया जा सके। आरोपी से गहनता से पूछताछ जारी है, जिससे कई अन्य वारदातों के भी खुलासा होने की उम्मीद है।

अंबाला। सीआईए-2 की गिरफ्त में शातिर स्नेचर। फोटो : हरिभूमि

बुजुर्ग महिलाओं को बनाता था निशाना

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी पिछले करीब एक महीने से जिला में लगातार सक्रिय था। वह विशेष रूप से बुजुर्ग महिलाओं को अपना निशाना बनाता था। आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल पर हेलमेट पहनकर वारदातों को अंजाम देता था ताकि उसकी पहचान न हो सके। अंबाला में उसने अब तक 5 बुजुर्ग महिलाओं से स्नैचिंग की बात कबूली है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 17 अप्रैल 2026 थाना बलदेव नगर के गरनाला रोड क्षेत्र से एक बुजुर्ग महिला से सोने की बाली छीनी। 26 अप्रैल 2026 को थाना महेश नगर क्षेत्र के गांव बोह में बुजुर्ग महिला को निशाना बनाकर सोने की बाली झपटी। 4 मई 2026 को बलदेव नगर क्षेत्र में स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया। 7 मई 2026 को थाना अंबाला छावनी (कैंट) के अंतर्गत एक बुजुर्ग महिला से सोने की बाली छीनी।

बाइक से पैसों से भरा बैग चोरी, केस दर्ज

यमुनानगर। शहर के रादौर रोड से चोरों ने बाइक पर रखा पैसों से भरा बैग चोरी कर लिया। बैग में साढे 26 हजार रुपये, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, कंडक्टर लाइसेंस, पैन कार्ड तथा अन्य सामान था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव हाफिजपुर निवासी संजीव कुमार ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 28 मई को किसी काम से जा रहा था। जब वह रादौर रोड पर पहुंचा तो उसने अपना बैग बाइक पर रख दिया। कुछ देर बाद उसे बाइक से अपना बैग गायब मिला। बैग में साढे 26 हजार रुपए, आधार कार्ड, एटीएम, कंडक्टर लाइसेंस, पैन कार्ड, टिकटों का पंच, सिटी, कंडक्टर बैग, लंच बॉक्स, मोबाइल पावर बैंक था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी।

पालतू कुत्ते के काटने से मां-बेटा घायल

यमुनानगर। छछरौली के पीर गायब मोहल्ला में पालतू कुत्ते के काटने से मां बेटा घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर उन्हें उपचार देने के बाद घर भेज दिया गया। पुलिस ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। छछरौली निवासी अजय शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोसी परवेज खान द्वारा कुत्ता पाला हुआ है। 29 में को सुबह साढ़े 10 बजे उसका भाई संजय कुमार व उसकी मां किसी काम से जा रहे थे। इस दौरान परवेज खान के कुत्ते ने उसके भाई व मां पर हमला कर दिया। जिससे उन दोनों को गंभीर चोटें आई। उसने इस बारे जब परवेज खान से बात की तो आरोपी उल्टा उन्हें ही भला बुरा कहने लगा। आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी प्रवेश खान के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कंपनी के सेल्समैन ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

लाडवा में कंपनी के सेल्समैन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। रात को कर्मी कमरे से बाहर छत पर सोया हुआ था। सुबह वह अपनी ड्यूटी पर नहीं पहुंचा और लगातार फोन कॉल का जवाब नहीं दिया, तब कंपनी के कर्मचारियों मकान मालिक से बातचीत की। मृतक की पहचान 25 साल के विकास के रूप में हुई है। विकास मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के गांव आबूपुरा का रहने वाला था। फिलहाल वह लाडवा के विकास नगर में किराए के कमरे में अकेला रह रहा था। विकास यहां एक दवा कंपनी में काम करता था। पुलिस के मुताबिक, विकास शुक्रवार रात को मकान की छत पर सोया था। शनिवार सुबह वह कंपनी नहीं पहुंचा। काफी देर तक संपर्क नहीं होने पर कंपनी की तरफ से उसके मोबाइल पर कई बार कॉल की गई, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद कंपनी कर्मचारियों ने मकान मालिक संत लाल को सूचना दी। सूचना पाकर मकान मालिक संतलाल छत पर जाने लगा, तो मोंटी का दरवाजा बंद मिला। दरवाजा अंदर से बंद किया गया था, इसलिए संतलाल पड़ोसी की छत के रास्ते कमरे तक पहुंचा। यहां बाहर विकास का बिस्तर पड़ा हुआ था। अंदर विकास का शव रस्सी के सहारे पंखे से लटका मिला। थाना लाडवा के एसएचओ गुरनाम सिंह ने बताया कि विकास के परिवार को घटना की सूचना दी गई है। विकास का परिवार बरेली से चला हुआ है।

अंबाला: दीपक हत्याकांड में फैसला

हत्यारे को आजीवन कारावास और जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

गांव खानपुर ब्राह्मणा में करीब छह साल पहले हुए दीपक हत्याकांड में अदालत ने मुख्य आरोपी को मुजरिम करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न या या धी श अरविंद कुमार बंसल की अदालत ने वैज्ञानिक साक्ष्यों और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर मुख्य आरोपी हरनीप उर्फ नीपू को हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने मामले में नामजद अन्य चार आरोपियों विकास, कृष्ण, अतुल कुमार और टिंकू को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान एक आरोपी अमित कुमार की पहले ही मौत हो चुकी है, जिसके चलते उसके खिलाफ सुनवाई ही बंद कर दी गई थी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि दोषी ने एक निर्दोष युवक की गोली मारकर बेरहमी से हत्या की है। हालांकि यह मामला दुर्लभ से दुर्लभतम की श्रेणी में नहीं आता इसलिए फांसी की जगह उम्रकैद की सजा न्यायसंगत है।

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर किया महिला से दुष्कर्म

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने महिला की अश्लील वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी पर महिला को ब्लैकमेल कर पैसे व चांदी की चेन हड़पने का भी आरोप लगा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 35 वर्षीय महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोस में देहरादून के पटेल नगर निवासी विकास सिंह किराये के मकान में रहता है। आरोपी ने चुपके से उसकी अश्लील फोटो व वीडियो बना ली। इसके बाद आरोपी ने धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने गत जनवरी से 16 मई तक उसे ब्लैकमेल कर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसे ब्लैकमेल कर उससे पैसे व चांदी की चेन भी हड़प ली।

अस्पताल के बाहर हाथ पकड़कर की अभद्रता

तांत्रिक पर युवती से छेड़छाड़ का आरोप मां को दो साल से जाल में फंसाने का दावा

- मां ने भी बेटी, बेटे और पति पर मारपीट व मोबाइल छीनने की शिकायत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र शहर में तांत्रिक पर महिला को अपने चंगुल में फंसाकर उसकी बेटी से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। शहर की रहने वाली 24 वर्षीय युवती का आरोप है कि तांत्रिक ने उसकी मां को पिछले करीब दो साल से अपने जाल में फंसा रखा है। पिता की तबीयत खराब होने के दौरान पूरा परिवार तनाव में था। इसी बीच उसकी मां शाहाबाद के कथित तांत्रिक बाबा रावल के संपर्क में आ गई और घर भी छोड़ दिया। युवती को तांत्रिक पर उसकी मां को गायब करने का शक है। उधर, पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। मार्च 2026 में बाबा ने उसकी मां को पिपली के पास बजीदपुर-बिहोली गांव में किराये का कमरा दिलवा दिया। उसकी मां ने कई बार उस पर बाबा से अकेले में मिलने का दबाव भी बनाया। 18 मई की रात वह छोटे भाई के साथ अस्पताल में भर्ती पिता के लिए खाना और कपड़े देने गई थी। कुछ देर बाद उन्होंने मां को बाबा के साथ बाइक पर आते देखा। उसके भाई ने विरोध किया तो बाबा गाली-गलौच करने लगा। युवती ने आरोप लगाया कि 18 मई की रात बाबा ने उसका हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींचा और शरीर से टच किया। इसके बाद आरोपी मां को बाइक पर लेकर फरार हो गया। पिता ने पुलिस में शिकायत देने को कहा। मगर, पिता की तबीयत को देखते हुए उसने कुछ दिन इंतजार किया। थाना सिटी थानेसर के एसएचओ नरेश कुमार ने बताया कि इस मामले की जांच चल रही है। युवती की मां ने भी बेटी, बेटे और अपने पति के खिलाफ मारपीट करने और मोबाइल छीनने की शिकायत दी है। शिकायत के बाद उनको जांच के लिए बुलाया गया था।

ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ जवान का हार्ट अटैक से निधन

- छुट्टी पूरी कर चार दिन पहले ही श्रीनगर में ड्यूटी पर लौटे थे
- पैतृक गांव गढ़ सरनाई में राजकीय व सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

पानीपत। गढ़ सरनाई निवासी सीआरपीएफ जवान तेजपाल सिंह का श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन हो गया। वह हाल ही में छुट्टी बिताकर सोमवार को ही अपनी यूनिट में लौटे थे। शुक्रवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। वर्ष 2001 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए तेजपाल सिंह वर्तमान में श्रीनगर में तैनात थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। उनका पार्थिव शरीर दिल्ली होते हुए पैतृक गांव गढ़ सरनाई पहुंचा, जहां राजकीय व सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। निधन की खबर से गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है।

ढाबा व डेयरी संचालक समेत छह दुकानदारों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने, खुले में गंदगी डालने व अतिक्रमण करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम की टीम ने शनिवार को जगाधरी के बुड़िया चौक, छछरौली रोड और बुड़िया मार्ग पर दुकानों में छापेमारी की। निगम की टीम ने बुड़िया चौक पर एक चिकन ढाबा और डेयरी संचालक समेत छह दुकानदारों पर कार्रवाई की। शनिवार को नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर जोन एक में सफाई निरीक्षक अमित कांबोज व होमगार्ड के जवानों की टीम बुड़िया चौक पर पहुंची। यहां एक चिकन ढाबा के बाहर काफी गंदगी डाली हुई मिली। इस पर सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने ढाबा संचालक का मौके पर ही चालान किया और गंदगी को साफ कराया। टीम ने उसे सूखा व गीला कचरा अलग अलग डालने के लिए डस्टबिन रखने और दुकान से निकला कचरा उनमें डालने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बुड़िया मार्ग पर ही छापेमारी के दौरान एक डेयरी समेत तीन दुकानदारों के पास से प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद हुई। निगम की टीम ने पॉलिथीन कब्जे में लेकर तीनों दुकानदारों के चालान किए। वहीं, जगाधरी रोड पर भी एक दुकानदार का चालान प्रतिबंधित पॉलीथिन मिलने पर किया गया।

यमुनानगर। जगाधरी में दुकानदारों के चालान करते हुए निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

पकने को तैयार फसल जमीन पर गिरने से बढ़ी किसानों की चिंता

तेज हवाओं का कहर, आधी से ज्यादा आम की फसल पेड़ों से टूटकर नष्ट

जिले में दो हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में हैं आम के बाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

आम के बागों पर इस बार तेज हवाओं का कहर टूट रहा है। जिले में शनिवार को भी पिछले कई दिनों की तरह तेज हवा चलने से आम के बागों को भारी नुक्सान पहुंचा। बागवानों की मानें तो अब तक आम के बागों से आधे से ज्यादा फसल टूटकर नीचे गिरने से नष्ट हो गई है। जिससे बागवानों को भारी नुक्सान हो गया है। बागवानों को चिंता है कि यदि इसी तरह तेज आंधी चलती रही तो उनकी आम की फसल पूरी तरह टूटकर नष्ट हो जाएगी। बागवानी विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में करीब दो हजार एकड़ से अधिक भूमि में आम के बाग लहलहा रहे हैं। जिनमें दशहरी आम समेत विभिन्न किस्म के देसी आम, सिंदूरी आम व विभिन्न किस्म के कलमी आम के पेड़ हैं। इस बार आम के बागों में अच्छी बहार आई थी। जिसे लेकर बागवान खुश दिखाई दे रहे थे। इस दौरान बागवानों ने अच्छी पैदावार होने की आस में आम के पेड़ों पर कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव करके जैसे-तैसे करके बौर (फूल) को बचा लिया था। बागवानों को उम्मीद थी कि इस बार आम की पैदावार अच्छी होगी। मगर पिछले कुछ दिन से आए दिन आंधी या तेज हवाएं चल रही हैं। जिससे आम की फसल को नुक्सान हो रहा है।

यमुनानगर। तेज हवा में पेड़ों से नीचे टूटकर गिरी आम की फसल को उठाते बागवान। फोटो : हरिभूमि

एक सप्ताह में कई बार आ चुकी आंधी

बागवान मेहर चंद, राधेश्याम, सौरण सिंह व कुलबीर आदि का कहना है कि इस समय आम की फसल पकने को तैयार है। ऐसे में इस समय आम की फसल के लिए तेज हवाएं चलना काफी नुक्सानदायक है। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आए दिन किसी भी समय तेज हवा चलने लगती है। जिससे उनकी फसल नष्ट हो रही है। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर डेढ़ बजे के करीब अचानक आसमान में बादल छा गए और तेज हवा चलने लगी। जिससे आम के पेड़ों से आम टूटकर नीचे गिरकर खराब हो गए।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से 12 लाख की ठगी

- नकली वीजा व फर्जी मेडिकल रिपोर्ट तैयार करने का भी आरोप

अंबाला। विदेश भेजने के नाम पर कुरुक्षेत्र के एक युवक से 12 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने अंबाला शहर के जलबेड़ा रोड स्थित सन फ्लाई ओवरसीज के संचालक चिराग नरूला के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।ज्योतिसर निवासी प्रिंस ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसे यूरोपीय देश लक्जमबर्ग भेजने का झांसा दिया। पहले बायोमेट्रिक के नाम पर 6 लाख रुपये लिए और बाद में वीजा देने के नाम पर 6 लाख रुपये और वसूल लिए। आरोपी ने टिकट और मेडिकल रिपोर्ट की मांग करने पर एक कथित मेडिकल रिपोर्ट भी दी। शक होने पर जब वीजा की जांच कराई गई तो वह फर्जी निकला।पीड़ित का आरोप है कि पैसे लेने के बाद आरोपी ने अपना कार्यालय बंद कर दिया और फोन उठाना भी बंद कर दिया। उसका पासपोर्ट व अन्य जरूरी दस्तावेज भी आरोपी के पास हैं। पीड़ित के पास लेनदेन की वीडियो, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और लिखित समझौते के सबूत मौजूद हैं। जांच अधिकारी मांगे राम ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

आरटीओ अधिकारी बनकर इमाम से 1.95 लाख ठगे

- 5 रुपये में चालान खत्म करने का झांसा देकर लिंक पर क्लिक करवाया
- लिंक से मोबाइल हैक कर दो बैंक खातों से निकाली रकम

अंबाला। साइबर ठगों ने आरटीओ अधिकारी बनकर एक मस्जिद के इमाम को झांसे में लेकर उनके बैंक खातों से 1,95,450 रुपये निकाल लिए। कमल विहार, घेल रोड निवासी मोहम्मद जावेद आसम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके व्हाट्सएप पर 28 दिसंबर 2025 को कार चालान का मैसेज आया था।इसके बाद ठगों ने खुद को आरटीओ कर्मचारी बताकर संपर्क किया और मात्र 5 रुपये में चालान खत्म कराने का झांसा दिया। लिंक पर क्लिक करते ही उनके फोन में एपीके फाइल डाउनलोड हो गई और मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद ठगों ने एक्सिस बैंक और एसबीआई खातों से कई बार में रकम ट्रांसफर कर ली। पीड़ित के अनुसार कुल 1,95,450 रुपये की ठगी हुई, हालांकि साइबर हेल्पलाइन की मदद से कुछ राशि वापस मिल गई। शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

खबर संक्षेप

मरणोपरांत भी सेवाराम की आंखें देख सकेंगी

तरावड़ी। जीते जी रक्तदान मरणोपरांत नेत्रदान कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो जीते जी तो समाज की सेवा करते ही है मरणोपरांत भी समाज की सेवा करके चले जाते हैं उनमें से स्वः सेवाराम खुराना जिनके मरणोपरांत उनके परिवार में उनके सुपुत्रों राजेंद्र खुराना, सुभाष खुराना, सुरेश खुराना, सुरेंद्र खुराना ने अपने पिताजी के नेत्रों का दान करवाया आज रस्म पगड़ी के अवसर पर श्री शीशगंज गुरुद्वारा साहिब में नेत्रदान करने पर सस्था के प्रधान हंसराज पाहुजा ने परिवार का धन्यवाद किया गया और एक समृति चिन्ह परिवार को दिया गया इस अवसर पर शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

योग प्रतियोगिता में कृतिका प्रथम रहीं

करनाल। हरियाणा योग आयोग और जिला आयुर्वेद विभाग के निर्देशानुसार कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में योग क्लब की ओर से महाविद्यालय स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखाई। बीए प्रथम वर्ष की छात्रा कृतिका ने प्रथम, बीएससी तृतीय वर्ष की जानवी ने द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष की खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्राओं को योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभों की जानकारी दी गई तथा नियमित योगाभ्यास अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

बेजुबान नंदी पर हमला इलाज के दौरान मौत

करनाल। हर के विकास नगर इलाके में एक बेजुबान देसी नंदी (सांड) पर तेजधार हथियार से हमला करने का एक क्रूर मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से स्थानीय कॉलोनी के लोगों में भारी रोष है। लहूलुहान हालत में नंदी को बचाने के लिए लोगों ने काफी प्रयास किए, लेकिन अत्यधिक खून बह जाने के कारण इलाज के दौरान उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर अभिनंदन

करनाल। महापौर रेणु बाला गुप्ता और भाजपा के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता ने पानीपत पहुंचकर हरियाणा भाजपा की नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन को नई मजबूती और ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता का संगठन के प्रति समर्पण, कार्यकर्ताओं से संवाद और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें एक प्रभावशाली नेतृत्वकर्ता बनाती है। उनके नेतृत्व में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। पार्टी ने एक अनुभवी और कर्मठ नेतृत्व को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके मार्गदर्शन में भाजपा संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होगा।

विधायक योगेंद्र राणा ने नागरिकों के साथ चलाया सफाई अभियान

स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| असंध/करनाल

- अभियान के दौरान मुख्य बाजारों, गलियों, नालियों, जींद चौक तथा प्रमुख मार्गों की सफाई की गई

स्वच्छ शहर-स्वस्थ लोग अभियान के तहत शनिवार को विधायक योगेंद्र राणा ने अधिकारियों, नगर पालिका कर्मचारियों, पार्षदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान मुख्य बाजारों, गलियों, नालियों, जींद चौक तथा प्रमुख मार्गों की सफाई की गई।

करनाल। असंध में स्वच्छता अभियान के दौरान सफाई कार्य में भाग लेते विधायक योगेंद्र राणा एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति।

विधायक ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए आमजन की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और अपने आसपास सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का सीधा संबंध नागरिकों के स्वास्थ्य से है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर, गली और मोहल्ले को स्वच्छ रखने का संकल्प ले, तो पूरे शहर की तस्वीर बदली जा सकती है। अभियान के दौरान विभिन्न बैनरों और संदेशों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नगर पालिका चेयरपर्सन सुनीता अरोड़ा, मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रवीण राणा, ब्लॉक समिति चेयरमैन सतीश दादूपुर, नायब तहसीलदार राधेश्याम चावला, नपा सचिव प्रदीप जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पार्षद और सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका निभाए

पूर्व आईएएस बी.एस. मलिक ने भी नागरिकों को कचरे के उचित निस्तारण और स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका निभाएगा।

तरावड़ी में कई जगह छतें उड़ीं पेड़ और बिजली के खंभे गिरे

- कई जगह बिजली के खंभे भी गिरने से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

आज दोपहर अचानक आए तेज आंधी-तूफान ने शहर में भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर गोदामों की छतें उड़ गईं, दुकानो पर लगे बोर्ड व अजंनथली रोड़ व सडक़ों के किनारे कई पेड़ उखडक़र गिर पड़े। इसके अलावा कई जगह बिजली के खंभे भी गिरने से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई। शहर के बीचों-बीच स्थित शिव शक्ति सत्संग भवन में भी तूफान का असर देखने को मिला। यहां लंगर हाल की छत तेज हवाओं के चलते उडक़र पास की दूसरी गली में जा गिरी। छत के गिरने से बिजली के दो पोल टूट गए, जिससे आसपास के इलाके की बिजली सप्लाई तुरंत बंद हो गई। तूफान के कारण शहर में अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन राहत की बात यह रही कि अब तक किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। साथ ही, जान-माल के बड़े नुकसान की भी कोई खबर सामने नहीं आई है। शिवशक्ति सत्संग भवन के सदस्य शैड को साईड मे करके बाधित गली का रास्ता खोलने के लिये जुटे हुये थे। बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिये शाम तक कोई कर्मचारी नही पहुंचा था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए ताकि जनजीवन सामान्य हो सके।

तरावड़ी। सत्संग भवन के लंगर हाल की टीन की छत गली के बीचो बीच पड़ी।

युवक की मौत का मामला : परिजनों ने किया अंतिम संस्कार से इनकार

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विरोधाभास से बढ़ा शक, 25 मई को लापता हुआ था बॉबी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिले के नन्हेड़ा गांव में खेतों से मिले युवक बॉबी के शव का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। पीजीआई चंडीगढ़ में पोस्टमार्टम होने के बाद भी परिजन शव का अंतिम संस्कार करने को तैयार नहीं हैं। परिवार का सीधा आरोप है कि पुलिस इस मामले में सही तरीके से कार्रवाई नहीं कर रही है, क्योंकि इसमें सत्ताधारी दल से जुड़े एक भाजपा मंडल अध्यक्ष का नाम सामने आ रहा है। इसी राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस सख्त कार्रवाई से बच रही है और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है।पहले हुए पोस्टमार्टम में मौत को सामान्य बताया गया था, लेकिन जब पीजीआई चंडीगढ़ में दोबारा पोस्टमार्टम हुआ, तो बॉबी के शरीर पर तीन चोटें मिलने की बात सामने आई है। मृतक के भाई अभिषेक कुमार ने बताया कि डॉक्टरों ने बॉबी के पांव, पसलियों के ऊपर और सिर में चोट होने की पुष्टि की है। इसके अलावा शरीर पर जले हुए निशानों को लेकर डॉक्टरों ने सैंपल लिए हैं, ताकि यह साफ हो सके कि यह तेजाब था या कोई अन्य पदार्थ। परिवार को आशंका है कि बॉबी को करंट लगाया गया है, क्योंकि उसकी जुराब भी जली हुई मिली थी। नन्हेड़ा गांव का रहने वाला बॉबी 25 मई की सुबह घर से यह कहकर निकला था कि वह थोड़ी देर में वापस लौट आएगा। दोपहर करीब 12 बजे भाई अभिषेक से उसकी आखिरी बार बात हुई, जिसमें उसने जल्द घर आने को कहा था, लेकिन इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। देर रात तक वापस न लौटने पर जब परिजनों ने उसके फोन पर कॉल किया, तो एक पुलिस कर्मचारी ने फोन उठाया और बताया कि खेतों में एक शव मिला है।

सब्जी विक्रेता की हत्या के दोनों आरोपी भाई गिरफ्तार

- 10 रुपये के विवाद में हुई थी संजय सैनी की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला पुलिस की सीआईए-3 टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुंजपुरा रोड पर महज 10 रुपये के मामूली विवाद में सब्जी विक्रेता संजय सैनी की हत्या करने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी सलिंद्र और गौरव आपस में चचेरे भाई हैं और वे गांव दनियालपुर के रहने वाले हैं। दोनों आरोपी कुंजपुरा रोड पर गारमेंट्स की दुकान चलाते हैं।

वारदात वाली रात दोनों आरोपी रोजाना की तरह घर लौट रहे थे और रास्ते में सब्जी खरीदने के लिए संजय सैनी की दुकान पर रुके थे। वहां पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गया। पुलिस ने एक आरोपी सलिंद्र को 28 मई को गिरफ्तार कर कोर्ट से तीन दिन के रिमांड पर लिया था, वहीं दूसरे आरोपी गौरव को 29 मई की शाम गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बूढ़ाखेड़ा निवासी शिवानी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके 44 वर्षीय पिता संजय सैनी मुख्य सड़क पर नाले के पास सब्जी और फल की दुकान लगाते थे। 26 मई की रात करीब साढ़े नौ बजे दोनों आरोपी आए और करीब 210 रुपये के फल-सब्जी खरीदकर 200 रुपये देकर जाने लगे। जब शिवानी ने बाकी के 10 रुपये मांगे, तो वे गाली-गलौज करने लगे।

छात्रों की सेवा भावना को सराहा

- डीएवी पीजी कॉलेज में एनसीसी, एनएसएस और रेडक्रॉस इकाइयों ने लगाई मीठे पानी की छबील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

नौतपा और भीषण गर्मी के बीच डीएवी पीजी कॉलेज में एनसीसी, एनएसएस एवं रेडक्रॉस इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में मीठे पानी की छबील लगाकर मानव सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राहगीरों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को गर्मी से राहत पहुंचाने के साथ-साथ युवाओं में सामाजिक सरोकार और सेवा भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

मुख्य अतिथि के रूप में महापौर रेणु बाला गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संजय अरोड़ा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने छबील सेवा में भाग लेते हुए विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन करना भी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने गर्मी के मौसम में लोगों की सेवा कर सामाजिक संवेदनशीलता का परिचय दिया है। वहीं डॉ. संजय अरोड़ा ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं और उनमें मानवीय मूल्यों को मजबूत करते हैं।कॉलेज प्राचार्य एवं चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के कुलपति प्रो. डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक चेतना के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है।

करनाल। डीएवी पीजी कॉलेज में छबील सेवा के दौरान विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाती महापौर रेणु बाला गुप्ता।

कंप्यूटर टीचर्स और लैब अटेंडेंट संगठनों ने बनाई आंदोलन की रणनीति

रोजगार पक्का करने के लिए 8 को होगा घेराव

- सेवा सुरक्षा अधिनियम-2024 को लागू किया जाए : नरवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

प्रदेश के कंप्यूटर टीचर्स और कंप्यूटर लैब अटेंडेंट्स ने रोजगार सुरक्षा और नियमितीकरण की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। करनाल स्थित मानव सेवा संघ में आयोजित बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने आगामी रणनीति पर चर्चा की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 जून को पंचकूला स्थित शिक्षा विभाग मुख्यालय का घेराव किया जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले 14 वर्षों से रोजगार पक्का करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

कंप्यूटर लैब अटेंडेंट कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र प्योंत, कंप्यूटर टीचर वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बलराम धीमान तथा कंप्यूटर अध्यापक कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष सोनू नरवाल ने कहा कि कंप्यूटर शिक्षकों और लैब अटेंडेंट्स से विद्यालयों में शिक्षण कार्य के साथ-साथ अधिकांश ऑनलाइन कार्य भी कराया जाता है, लेकिन उन्हें अपेक्षाकृत कम वेतन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा सुरक्षा अधिनियम-2024 को लागू किया जाए, कर्मचारियों का सेवा रिकॉर्ड पोर्टल पर अपलोड किया जाए, अवकाश अवधि का वेतन दिया जाए, न्यूनतम वेतन लागू किया जाए तथा स्थायी कर्मचारियों की तरह अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएं।

करनाल। आंदोलन की रणनीति पर चर्चा करते कंप्यूटर टीचर्स और लैब अटेंडेंट संगठनों के पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

बैठक में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कर्मचारियों के परिवार सहित प्रदर्शन में शामिल होने का दावा किया गया। इस अवसर पर दिनेश कुमार, प्रमोद कुमार, विशाल कुमार, विनेश कुमार, साहिल, राजेश पाढ़ा और साहिल शर्मा सहित अन्य कर्मचारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इनेलो कल महंगाई, बिजली-पानी संकट के खिलाफ करेगा प्रदर्शन

करनाल। बढ़ती महंगाई, बिजली कटौती और पेयजल संकट को लेकर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने एक जून को जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। युवा इनेलो के जिला प्रधान एडवोकेट मनिंद्र सिंह पुनिया ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरेंगे तथा जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजेंगे। भीषण गर्मी के दौर में प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में बिजली और पानी की समस्या बनी हुई है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लगातार बढ़ती महंगाई ने परिवारों का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम रही है।करनाल में प्रदर्शन की शुरुआत सुबह 10 बजे फव्वारा पार्क से होगी।

न्यूज डायरी

सीटू ने मनाया स्थापना दिवस, श्रमिक एकता पर जोर

करनाल। सीटू का 56वां स्थापना दिवस सेक्टर-12 स्थित फव्वारा पार्क में आयोजित कार्यक्रम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सीटू, सर्व कर्मचारी संघ, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन तथा अन्य संगठनों से जुड़े बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभा में वक्ताओं ने कर्मचारियों और मजदूरों से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित रहने का आह्वान किया। उन्होंने श्रमिक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए चारों लेबर कोड वापस लेने, कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों से संबंधित फैसलों की समीक्षा की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदन कलरा ने की जबकि संचालन सतपाल सैनी ने किया। इस दौरान लाभ सिंह आर्य, जगमाल सिंह, जगपाल राणा, ओमप्रकाश माटा, सुदेश रानी, कलीराम, नीरू, मनोज कुमार, जाकिर हुसैन, जसबीर सहित अनेक नेताओं ने अपने विचार रखे।

सावन कृपाल रूहानी मिशन ने लगाई छबील

करनाल। सावन कृपाल रूहानी मिशन की करनाल शाखा ने संत दर्शन सिंह जी महाराज के 37वें बरसी भंडारे के अवसर पर संत राजिंदर सिंह जी मार्ग स्थित कृपाल आश्रम के बाहर ठंडे एवं मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरों और श्रद्धालुओं की सेवा की। मिशन से जुड़े सदस्यों ने बताया कि भीषण गर्मी के मौसम में लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। छबील के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने पानी ग्रहण कर गर्मी से राहत महसूस की। इसी प्रकार मिशन की ओर से देश के विभिन्न राज्यों तथा दिल्ली के अनेक प्रमुख स्थानों पर भी छबील सेवा आयोजित की गई।मिशन के अनुसार संत दर्शन सिंह जी महाराज ने मानव सेवा, आध्यात्मिक जागरूकता और संतमत की शिक्षाओं के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उनकी स्मृति में आयोजित सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में परोपकार और मानव कल्याण का संदेश दिया जा रहा है।

इबोला वायरस को लेकर हाई अलर्ट

करनाल।अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला वायरस के नए प्रकोप को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दिया है। इसके बाद केंद्र और हरियाणा सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों को विशेष एडवाइजरी जारी कर दी है, जिसके तहत करनाल के सिविल अस्पताल में पुख्ता तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। करनाल के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर दीपक ने बताया कि भारत सरकार और हरियाणा सरकार के माध्यम से एडवाइजरी प्राप्त हो चुकी है। निर्देशों का पालन करते हुए अस्पताल में बहुत जल्द 10 बेड का एक विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार कर दिया जाएगा। इसके साथ ही किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए एक डॉक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जा रहा है। हालांकि, राहत की बात यह है कि भारत में अभी तक इबोला का कोई भी कंफर्म केस सामने नहीं आया है। कुछ संदिग्ध मामलों की जांच जरूर की गई थी, लेकिन उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इसके बावजूद देशभर में निगरानी बढ़ा दी गई है।

कैंप में की गई 130 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

इंद्री। शहीद उधम सिंह समिति और कांबोज आवाज मंच द्वारा अर्पणा अस्पताल मधुबन के डॉक्टरों के सहयोग से गांव मुरादगढ़ में दूसरा फ्री मेडिकल चैकअप कैंप लगाया गया। इस मेडिकल चैकअप कैंप में 130 लोगों ने अपने शरीर की जांच कराई। कैंप में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने पहुंचकर शारीरिक जांच करवाकर फ्री दवाइयां प्राप्त की। कुछ मरीजों को जांच के बाद ऑपरेशन के योग्य पाया गया, उन्हें ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। इस मौके पर शहीद उधम सिंह समिति और नंबरदार एसोसिएशन विचार मंच के अध्यक्ष मेहर सिंह ने कहा कि अर्पणा अस्पताल के सहयोग से लोगों की मांग पर कांबोज आवाज मंच और शहीद उधम सिंह समिति ने फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया। इस कैंप को लगाने का निर्णय आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और लोगों के शरीर में बढ़ रहे विकारों को देखते हुए जनसेवा की सोच को लेकर लिया गया। उत्साहवर्धक बताया। इस मौके पर कांबोज आवाज मंच के अध्यक्ष प्रदीप कांबोज, अर्पणा अस्पताल की टीम के संयोजक वीरभान सोलंकी, डॉ.नैन्सी कपूर, डॉ एमडी मुकुल सैनी, डॉक्टर प्रवेश कुमार, उषा देवी, आरजू सैनी, बलजीत कांबोज, सुभाष कांबोज, हरी सिंह कांबोज, धर्मराज कांबोज, बलराज व देवेन्द्र आदि उपस्थित रहें।

105 बच्चों को वितरित की आवश्यक सामग्री

करनाल। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय करनाल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत एम.डी.डी. बाल भवन में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान में रह रहे 105 बच्चों को उनकी दैनिक जरूरतों से जुड़ी आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन मंडल प्रमुख त्रिमूर्ति शिव पांडे के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर एम.डी.डी. बाल भवन के संस्थापक पी.आर. नाथ भी उपस्थित रहे। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने बच्चों के साथ समय बिताया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंडल प्रमुख त्रिमूर्ति शिव पांडे ने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए भी प्रतिबद्ध है। बैंक समय-समय पर समाजहित से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य करता रहा है। बाल भवन के संस्थापक पी.आर. नाथ ने इस पहल के लिए पंजाब नेशनल बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सहयोगात्मक प्रयास बच्चों के आत्मविश्वास और मनोबल को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियां जारी रहेंगी।

एडीजीपी हरदीप सिंह दून को दी सम्मान विदाई

करनाल/मधुबन। हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन के नेताजी सुभाष चंद्र बोस दीक्षांत परेड स्थल पर शनिवार को सेवानिवृत्त हो रहे अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (टेलिकॉम, ट्रैफिक एवं हाईवे) हरदीप सिंह दून के सम्मान में भव्य विदाई परेड आयोजित की गई। 36 वर्ष से अधिक के गौरवशाली सेवाकाल के बाद 31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हरदीप सिंह दून को अकादमी की ओर से पूरे सम्मान के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर आठ परेड टुकड़ियों ने हिस्सा लेते हुए उन्हें सलामी दी। समारोह का शुभारंभ हरियाणा पुलिस अकादमी की पुलिस अधीक्षक पुष्पा के स्वागत संबोधन से हुआ, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उप पुलिस अधीक्षक विवेक कुण्डू ने प्रस्तुत किया। निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी कला रामचंद्रन की ओर से पुलिस अधीक्षक बलजिंदर सिंह ने मुख्य अतिथि हरदीप सिंह दून को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विदाई परेड के दौरान हरदीप सिंह दून ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ग्रहण की। परंपरा के अनुसार समारोह के अंत में उन्हें फूलों से सुसज्जित खुले वाहन में पुष्पवर्षा के बीच सम्मानपूर्वक मधुबन परिसर से विदा किया गया।

अपराध नियंत्रण और नशा मुक्ति पर फोकस

करनाल। पुलिस महानिरीक्षक करनाल मंडल अशोक कुमार ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक विषयों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न प्रकार के अपराधों की रोकथाम और आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया, सहायक पुलिस अधीक्षक दीपिका अग्रवाल सहित जिले के सभी उप पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस महानिरीक्षक ने संगठित अपराध, संपत्ति संबंधी अपराध, साइबर ठगी, इमीग्रेशन धोखाधड़ी, हिंसात्मक घटनाओं, सड़क सुरक्षा तथा नशा मुक्ति अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर भी जोर दिया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध समाधान प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा गांवों और शहरी वार्डों में नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। साइबर अपराध और इमीग्रेशन धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई कर पीड़ितों को शीघ्र राहत प्रदान करने पर भी बल दिया गया।

प्रवेश गाबा बने प्रधान, सर्वसम्मति से नियुक्तियां

करनाल। सामाजिक संस्था सुख-दुख दे साथी सभा की बैठक में वर्ष 2026 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। यह प्रक्रिया संस्था के चेयरमैन राकेश खन्ना तथा डायरेक्टर सुभाष गांधी और हितेश मनोचा की देखरेख में संपन्न हुई। बैठक में प्रवेश गाबा को संस्था का प्रधान चुना गया। इसके अलावा देवराज अनेजा, अयन जग्गिया, दीपक शर्मा, अमित ढींगड़ा, नवनीत अरोड़ा और महेंद्र अरोड़ा को उपप्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। हरसिमरन वधवा को महासचिव तथा नरेश भाटिया को सचिव नियुक्त किया गया। रोशन कपूर और जोगिंद्र भाटिया को उप सचिव, मोहित चावला को कोषाध्यक्ष तथा जतिन गाबा को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया।

योगासन प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

इंद्री। शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में योगासन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी के नेतृत्व तथा योग क्लब सदस्य प्रो डिंपल के देखरेख में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य रूप से तहसील प्रभारी, पतंजलि योगपीठ डॉ. बलराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होने विद्यार्थियों को हलासन, भुजंगासन,नटराज आसन,आकरण धनुरासन आदि योगासन करवाए गए। जिसमें लगभग 100 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों अभिषेक एम कॉम अंतिम वर्ष, सौरभ बीए अंतिम वर्ष तथा यश बीकॉम द्वितीय वर्ष को ब्लॉक स्तरीय व जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए नामांकित किया गया।

खबर संक्षेप

आईबी कॉलेज में प्रवेश का अंतिम तिथि आज

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2026.27 के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। डीजीएचई पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित है। प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह ने बताया कि आईबी पीजी कॉलेज को राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा गोल्ड कैटेगरी में एनईपी.2020 इम्प्लीमेंटेशन एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

जनसेवा दल का मासिक राशन वितरण संपन्न

पानीपत। जनसेवा दल द्वारा जून माह का मासिक राशन वितरण सेवा समारोह सिविल अस्पताल स्थित जनसेवादल कार्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमें सभी कार्डधारियों को आटा दस किलो, चावल पांच किलो, चीनी एक किलो, दाल एक किलो, सरसों का तेल एक लीटर, नारियल तेल एक शीशी प्रदान करने के बाद सभी को लंगर प्रसाद प्रदान किया गया व भीषण गर्मी को दृष्टिगत सभी के लिए रूह अफजा युक्त शीतल जल की भी व्यवस्था की गई। आज का राशन वितरण पूर्व विधायक स्व. फतेह चंद विज एवं पूर्व प्रधान स्व. कैलाश ग्रोवर की स्मृति दिवस पर विज परिवार की ओर किया गया। समारोह में समाजसेवी राहुल विज सपरिवार व ग्रोवर परिवार से कपिल ग्रोवर सपरिवार पहुंचे।

कवी गांव को मंत्री ने टैंकर व लोहे के बैंच किए समर्पित

हर गांव की गली तक विकास पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : कृष्ण लाल

गांव के लिए उपलब्ध कराए गए पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। झंडी दिखाकर टैंकर को रवाना करते मंत्री कृष्ण लाल पंवार ।

पानीपत। ग्रामीणों को संबोधित करते मंत्री कृष्ण लाल पंवार ।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने आज जिले के गांव कवी में जिला परिषद के तत्वावधान में आयोजित विशेष कार्यक्रम में ग्रामीणों को विकास की नई सौगात दी। उन्होंने गांव के लिए उपलब्ध कराए गए पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा लोहे के बैंच ग्रामीणों को समर्पित किए।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि पिछले एक वर्ष से अधिक समय में अकेले कवी गांव में लगभग 9 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। इनमें गलियों, सडक़ों, पावर हाउस और अन्य आधारभूत ढांचे से जुड़े अनेक कार्य शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य केवल विकास कार्य करवाना नहीं, बल्कि हर परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। गांव, गली, गरीब, किसान, महिला और युवा हमारी नीतियों के केंद्र में हैं। हर गांव में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और ग्रामीण क्षेत्रों को आधुनिक सुविधाओं से जोडऩा भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी और किसी भी गांव को सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण सुरक्षा को मजबूत करने के लिए गांवों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर भी तेजी से सरकारी द्वारा कार्य किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और उन्हें राजनीतिक भागीदारी में अधिक अवसर दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि जिला परिषद के माध्यम से जिला के हर गांव में लगभग 2 हजार लोहे के बैंच वितरित किए जायेंगे तथा इसी कड़ी में 100 पानी के टैंकर विभिन्न ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कराए जायेंगे। जिनमें से आज जिला परिषद के वार्ड नंबर एक, दो, तीन व चार के लिए 22 टैंकर वितरित किए गए। उन्होंने सलम एरिया में इनका इस्तेमाल करने के लिए कहा। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने गांव की विभिन्न मांगें मंत्री के समक्ष रखीं, जिनके समाधान का उन्होंने आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार का पगड़ी पहना कर बुके और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन ज्योति शर्मा उपस्थित रहे।

साझा बाजार स्थापित कर रही सरकार

मंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 60 हजार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार प्रत्येक जिले में साझा बाजार स्थापित कर रही है। जिससे उन्हें अपने उत्पादों के विपणन का बेहतर मंच मिल सके। पानीपत जिले में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है। मंत्री पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में लगभग 19 हजार तालाबों का सर्वे करवाया गया है और उनके जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में फिरनियों और कच्चे रास्तों को पक्का किया जा रहा है। जिससे लोगों को बेहतर आवागमन सुविधाएं मिल सकें।

फिरनी पर लाइट की व्यवस्था की गई

मंत्री ने कहा कि प्रदेश में फिरनीओ पर लाइट की व्यवस्था की गई है। प्रदेश की लगभग 90 प्रतिशत चौपालों का नवीनीकरण किया जा चुका है। जिन ग्राम पंचायतों द्वारा भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। वहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त लाइब्रेरी भी स्थापित की जाएंगी। इन पुस्तकालयों में पुस्तकों की व्यवस्था सरकार द्वारा की जाएगी। इन्हें पूरी तरह वातानुकूलित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न गांवों में महिलाओं के लिए सांस्कृतिक केंद्र भी विकसित किए जा रहे हैं। जहां संगीत सहित विभिन्न गतिविधियों की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जिला परिषद के माध्यम से जिला के हर गांव में लगभग 2 हजार लोहे के बैंच वितरित किए जाएंगे।

पानीपत। डा.अर्चना गुप्ता का स्वागत करते दिनेश पुजारा ।

डा.अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में लगेंगे संगठन को पंख

पानीपत। भाजपा किसान मोर्चा हरियाणा के प्रदेश सचिव दिनेश पुजारा के नेतृत्व में किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा हरियाणा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा.अर्चना गुप्ता का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं दिनेश पुजारा ने बताया कि पानीपत के लिए गर्व की बात है कि हरियाणा भाजपा की चौधर डा.अर्चना गुप्ता के रूप में पानीपत की धरा पर आई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना महिला सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं को समाज में प्रत्येक वर्ग में सशक्त कर देश की मुख्यधारा में लाना है और हरियाणा के इतिहास में दुसरी बार 43 वर्षों के बाद भाजपा में महिला को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अब भाजपा के संगठन में पंख लगेंगे और संगठन मजबूत होगा। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री सुनील वत्स, मन्डल उपाध्यक्ष रमेश खन्ना, कुलदीप कौशिक, विरेन्द्र राणा, विशु सैनी, प.सुदर्शन बबैल, शराफत खोतपुरा, अनवर रावल व महावीर दहिया आदि मौजूद रहे।

डीएलएसए वर्षा शर्मा ने किया निरीक्षण

पानीपत। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह.अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वाणी गोपाल शर्मा के निर्देशानुसार आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पानीपत की ओर से रेस्ट हाउस स्थित रनअवे कपल्स हेतु बनाए गए प्रोटेक्शन होम का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के समय प्रोटेक्शन होम में एक दम्पति निवासरत पाया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव डीएलएसएए वर्षा शर्मा द्वारा उक्त दम्पति से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम एवं किसी प्रकार की समस्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। दम्पति द्वारा किसी प्रकार की शिकायत अथवा समस्या नहीं बताई गई।

पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए अब यात्रा ईवी से करेंगे भाजपा नेता : नवीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। अपनी ईवी गाड़ी के साथ भाजपा नेता नवीन भाटिया ।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान से प्रेरित होकर और पेट्रोल डीजल पर अपनी निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटिया स्वदेश में निर्मित महिंद्रा इलेक्ट्रिक कार ईवी खरीदी है। पर्यावरण संरक्षण का कड़ा संदेश देते हुए उन्होंने बताया है कि अब वे अपनी यात्राएं इसी इलेक्ट्रॉनिक कार के माध्यम से करेंगे। नवीन भाटिया ने बताया कि यह उनके लिए महज एक नया वाहन नहीं है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण मुक्त भारत ग्रीन भारत की दिशा में उठाया गया एक संकल्प है। कहा कि मुझे इस बात की अत्यंत खुशी और गर्व है कि महिंद्रा जैसी हमारी अपनी भारतीय कंपनियां आज इतनी बेहतरीन और विश्वस्तरीय इलेक्ट्रिक गाडियां बना रही हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटिया ने क्षेत्रवासियों और आम जनमानस से भी पर्यावरण हित में एक विशेष अपील करते हुए कहा कि आइए हम सब मिलकर पेट्रोल.डीजल का उपयोग कम करें और अपने पर्यावरण को आने वाली पीढिय़ों के लिए सुरक्षित रखें।

नेशनल टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ अतिथि व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान के बोर्ड ऑफ स्टडीज ऑपरेशंस के तत्वावधान में नेशनल टैलेंट सर्च 2026-27 के ब्रांच स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन आईसीएआई भवन एससीओ 7-8, सेक्टर.25 ट्रांसपोर्ट नगर में किया गया। जिसका संचालन पानीपत शाखा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सीए भूपेंद्र दीक्षित चेयरमैन आईसीएआई पानीपत शाखा, सीए जितेन्द्र बंगा वाइस चेयरमैन, सीए रजनी गोयल सेक्रेटरी तथा सीए कंवरदीप सिंह चेयरमैन पानीपत के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समन्वयन में सीए दीपिका अरोड़ा एवं सीए आयुषी खन्ना का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वाद.विवाद, भाषण कला, वाद्य संगीत, क्विज, पिच डेक प्रतियोगिता शामिल थी। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रतिष्ठित निर्णायकों सीए विमल गोयल, सीए हिमांशु ग्रोवर, सीए गोविंद मिश्रा एवं सीए इटिशा जैन द्वारा किया गया। शाखा चेयरमैन सीए भूपेंद्र दीक्षित ने कहा कि नेशनल टैलेंट सर्च विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ.साथ सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं नेतृत्व संबंधी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। इस अवसर पर सीए जितेन्द्र बंगा, रजनी गोयल, कंवरदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

पानीपत। मुख्य अतिथि रतन सिंह रावल को सम्मानित करते हुए पत्रकार।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर बापौली में गोष्ठी में वक्ताओं ने रखे विचार

बापौली। हिंदी पत्रकारिता के 200 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने पर आज बापौली के जलालपुर रोड स्थित राजू रावल प्रॉपर्टी डीलर कार्यालय में मीडिया वेलबीइंग एसोसिएशन की जिला इकाई के तत्वावधान में पत्रकारिता और वर्तमान चुनौतियां विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में पत्रकारिता के इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि यमुना सुधार समिति के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट रत्न सिंह रावल ने हिंदी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं। मीडिया वेलबीइंग एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद लाहोट और जिलाध्यक्ष मदन बरेजा ने हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला।

ड्रेन नं.2 बनी खनन माफिया का एटीएम, अधिकारी मौन

सरकार को लग चुका 2 करोड़ से ज्यादा की चपत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। ड्रेन नं. 2 में अवैध खनन का दृश्य । फोटो : हरिभूमि

पानीपत की ड्रेन न.2 अब केवल गंदे पानी की निकासी के लिए नहीं बल्कि अवैध खनन माफि या का एटीएम बन चुकी है। ड्रेन में पिछले एक पखवाड़े से जेसीबी से ड्रेन के सीने को छलनी किया जा रहा तथा डपरों का काफिला मिट्टी ले जाने के काम में लगा हुआ है वो भी दिन दिहाड़े। ड्रेन का तल 8 से10 फीट तक खोद दिया गया है, लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सो रहा है। जिससे आने वाले समय में साथ लगते ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। गांव बबैल व कुराड़ के किसानों का आरोप है कि अवैध खनन के कारण ड्रेन की पटड़ी कमजोर हो गई है। बरसात में ड्रेन में बरसात के दिनों में पानी आने पर साथ लगते गांवों व खेतों में पानी भरने का पूरा खतरा है। बता दें कि ड्रेन न.2 में गांव बबैल व कुराड़ के बीच एक पुल का निर्माण किया जा रहा है जो लगभग पूरा भी हो चुका पर उसकी आड़ में यह मिट्टी के अवैध खनन का यह कार्य धड़ल्ले से जारी है। सूत्रों की माने तो 125 डंपर मिट्टी उठाने की परमिशन ली गई थी जबकि एक पखवाड़े में हजारों डंपर मिट्टी उठाई जा चुकी है।

ड्रेन से 1 इंच मिट्टी निकालना भी गैर कानूनी

नियम कहते हैं ड्रेन से 1 इंच मिट्टी निकालना भी गैर कानूनी है। फिर भी जेसीबी और पोकलेन मशीनें खुलेआम चल रही हैं। हैरानी की बात तो यह है कि जब इस बारे में पानीपत के खनन अधिकारी विनय शर्मा से बात कर उनका पक्ष जानने के लिए फोन किया गया तो फोन नहीं उठाया वो भी एक दिन नहीं 3 दिन तक प्रयास किया पर अधिकारी महोदय ने बात करना उचित नहीं समझा। जिसके यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि करोड़ों के इस खेल में कुछ मलाई उन्हें भी प्राप्त हुई होगी। हरियाणा माइनिंग पॉलिसी के अनुसार रेत या मिट्टी का रॉयल्टी 70 रुपये प्रति टन है। ड्रेन से रोजाना करीब 200 डंपर मिट्टी निकल रही है। हिसाब लगाएं तो सरकार को रोज 15 करीब लाख रुपये का नुकसान। मतलब 15 दिन में 2 करोड़ से ज्यादा का राजस्व डूब चुका है। एनजीटी के आदेश हैं कि ड्रेन, नहर, तालाब से खनन पूर्ण प्रतिबंधित है। वहीं हाल ही में सरकार ने जुर्माना भी दोगुना कर दिया है फिर भी पानीपत में यह खुला खेल चल रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना प्रशासन की मिलीभगत के ड्रेन से अवैध खान कैसे हो रहा है। वहीं इस बारे में थाना सनौली प्रभारी अजय का कहना है कि उन्हें इस बारे में पता नहीं था अब मौके पर जांच की जाएगी तथा उचित कार्रवाही की जाएगी।

छात्रा के साथ दुष्कर्म पुलिस जांच में जुटी

पानीपत। पानीपत के मॉडल टाउन क्षेत्र में 10वीं क्लास की 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा को अगवा कर रेप किये जाने का मामला सामने आया है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी 14 साल की बेटी मॉडल टाउन के एक स्कूल में 10वीं कक्षा की छात्रा है। ईदगाह कॉलोनी का रहने वाला नितिन काफी समय से उनकी बेटी का स्कूल आते-जाते समय पीछा करता था और परेशान करता था। पिता ने बताया कि गत 20 मई को वो छात्रा को जबरन अपने साथियों के साथ ले गया और उसके साथ रेप कर उसे बदहवास हालत में रामलाल चौक पर फेंक गए साथ ही धमकी भी दी कि अगर उसने पुलिस में शिकायत की तो वो उसके पूरे परिवार को खत्म कर देगा।

न्यूज डायरी

पानीपत। फतेहचंद विज की पुण्यतिथि पर छबील लगाते भाजपा कार्यकर्ता।

स्व. विधायक फतेह चंद विज को किया नमन

पानीपत। संयुक्त पंजाब के समय जनसंघ के पहले विधायक एवं पानीपत से पांच बार विधायक रहे फतेहचंद विज की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री नायब सैनी एवं भाजपा हरियाणा परिवार ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के इस क्रम में पानीपत शहर विधानसभा के पाँचों मंडल के कार्यकर्ताओं ने भी एवं विधायक प्रमोद विज के पुत्र राहुल विज ने अपने दादा को जनसेवक के रूप में याद करते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों पर पानी के छबील की सेवा दी एवं जन सेवा दल में स्व.फतेहचंद विज को श्रद्धांजलि देते हुए गरीबों को अन्न वितरण का कार्य किया। जनसेवा का यह कार्यक्रम तहसील कैंप स्थित फतेहपुरी चौक, 8 मरला चौक, गौशाला गोहाना रोड, सेक्टर 12 एवं सनौली रोड पर भीम गोडा मन्दिर के नजदीक रखा गया था। जहां पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने राहगीरों को गर्मी के मौसम में मीठा एवं ठंडा जल पिलाकर सेवा की। राहुल विज ने कहा कि उनके दादा जीवनपर्यंत पनीपत के लोगों की जनसेवा हेतु कार्यरत रहे।

पानीपत। राहगिरों को मीठा पानी पिलाते सावन कृपाल रूहानी मिशन के सदस्य।

संत दर्शन सिंह की 37वीं पुण्य पर लगाई छबील

पानीपत। सावन कृपाल रूहानी मिशन के मार्गदर्शन में संत दर्शन सिंह जी महाराज की 37वीं पुण्य स्मृति श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाई गई। इस अवसर पर कृपाल आश्रम बरसत रोड नूरवाला, संत राजिंदर आश्रम असंध रोड आदि विभिन्न आश्रमों में विशेष मेडिटेशन, सत्संग एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। सत्संग में संत दर्शन सिंह जी महाराज के जीवन, उपदेशों और मानवता के प्रति उनके समर्पण को याद किया गया। वहीं भीषण गर्मी को देखते हुए सभी आश्रमों में ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। यह सेवा महाराज जी की उस शिक्षा को चरितार्थ करती है कि प्यासे को पानी पिलाना, दुखी का सहारा बनना और बिना किसी स्वार्थ के सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। कार्यक्रम में उपस्थित संगत ने संकल्प लिया कि संत दर्शन सिंह जी महाराज के बताए प्रेम, सेवा, सिमरन और सदाचार के मार्ग पर चलकर समाज में भाईचारे, करुणा और मानव कल्याण का संदेश फैलाएंगे।

नशा मुक्ति व ओएसटी सेंटर का किया निरीक्षण

पानीपत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीजेएम.सह.सचिव डीएलएसए वर्षा शर्मा ने आज सिविल अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य केंद्र में नशा मुक्ति उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं एवं सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान सभी ओपीडी रजिस्टरों की गहन जांच की गई, जो विधिवत संधारित पाए गए। केंद्र में कुल 65 मरीज उपचार हेतु पहुंचे। इसके अतिरिक्त सचिव द्वारा सिविल अस्पताल स्थित ओएसटी सेंटर एचआईवी विभाग का भी निरीक्षण किया गया। जहां मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन किया गया। ओएसटी सेंटर में कुल 125 मरीज पहुंचे। निरीक्षण के दौरान केंद्र में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन एवं सेवाओं के सुचारू संचालन पर विशेष ध्यान दिया गया। सचिव ने केंद्र में कार्यरत काउंसलरों एवं स्टाफ नर्सों से भी संवाद किया।

पानीपत। भंडारे में प्रसाद की सेवा करते हुए पवन ठेकेदार ।

पूर्णिमा पर गढ़ी में विशाल भंडार लगाया

पानीपत। गांव गढ़ी में स्थित प्राचिन मंदिर में आज समस्त ग्रामीण के सहयोग से श्री 108 बाबा शक्ति दास जी महाराज कें आशीर्वाद से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सेवक पवन ठेकेदार ने बताया कि लंबे समय से मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर विशाल भंडारा आयोजित किया गया था। भंडारे में हजारों श्रद्धांलुओं नें प्रसाद ग्रहण किया। सेवक पवन ठेकेदार ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, श्रद्धा और संस्कृति को मजबूत करते हैं। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों को इस सफल आयोजन को सराहा। इस अवसर पर सरपंच रविंद्र सुधा पूर्व सरपंच कंवरभान सिंह, एडवोकेट प्रकाश गाहल्याण, विनोद पहलवान, तेजी पहलवान, ज्ञानी पहलवान, अनिल बेनीवाल, सुखबीर फौजी, महाबीर, रघुबीर, चौ.विजय सिंह, रोहित, मोहित, कृष्ण, बबला, नरेश आदि मौजूद रहे।

आर्य वीर व वीरांगना शिविर सम्पन्न

पानी। शिविर के समापन पर करतब दिखाती छात्रा ।

पानीपत। आर्य बाल भारती विद्यालय परिसर में 6 दिवसीय सर्वदेशिक आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौ.चरण सिंह की पुण्यतिथि महान स्वतंत्रता सेनानी राष्ट्रवादी नेता समाज सुधारक और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती और विश्व एवरेस्ट दिवस मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रबंधक सुखबीर सिंह आर्य रहे। हरियाणा आर्य वीर दल के उप संचालक सुरेश आर्य, राजेश आर्य, विवेक आर्य, ओम दत्त आर्य, कोषाध्यक्ष रतन कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.अशोक आर्य ने की। प्रदेश स्तर के कुल 12 कार्यक्रम आर्य वीर दल के वीरों और वीरांगनाओं ने दिखलाए। कुरुक्षेत्र गुरुकुल से आए शिक्षक जयराम आर्य, महावीर आर्य, विद्यालय के योग अध्यापक प्रवीन आर्य, सोनीपत के शिक्षक कनिष्क आर्य, प्रीति आर्या, उप प्राचार्य जगदीश आर्य, समन्वयक आशा अरोड़ा, दीप्ति और आचार्य राजकुमार शर्मा का विद्यालय के प्रधान रणदीप आर्य ने आभार व्यक्त किया।

पानीपत। तम्बाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाते बीके अंजना।

तंबाकू मृत्युदाता है, कैंसर की माता है : बीके अंजना

पानीपत। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सैक्टर 25 स्थित सेवाकेंद्र में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आज संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य संचालिका बीके अंजना रही। मुख्य वक्ता बीके मोनिका संचालिका सिवाह ने इस व्यसन को छोडऩे कि कई मुख्य बातों से सभी का मार्ग दर्शन कराया और प्रतिज्ञा भी कराई। मुख्य अतिथि डा.राज सेतिया ने अपने अनुभव द्वारा वयसन मुक्त जीवन की मुख्य सुर्खियों पर प्रकाश डाला। वहीं बीके अंजना ने राजयोग मेडटेशन के माध्यम से इस नशे को दूर भागने कि विधि समझाई और मैडिटेशन कराया। इस अवसर पर प्रोमिला नांदल, शान्ति भूटानी, उषा गोयल, शील माटा, शालू, शैला गर्ग, रमेश रविन्दर नांदल, बलदेव वर्मा, सत्यप्रकाश पालीवाल, दिलबाग सैनी, ओम प्रकाश सेतिया, कर्मबीर त्यागी, सुभाष गोयल, सचिन आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

राजपाल 39 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

जींद। आईटीबीपी में निरीक्षक के तौर पर कार्यरत राजपाल रंगा 39 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत हो गए है। डा. बी आर अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी ने प्रधान राजेश पहलवान की अध्यक्षता में राजपाल रंगा को फूलों की माला पहनाकर, स्मृति चिह्न देकर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। सोसायटी के पूर्व महासचिव दलबीर ने कहा कि निरीक्षक राजपाल रंगा ने सेना के नियमों और सिद्धांतों का पूरी निष्ठा से पालन करते हुए देश की सेवा की है। जैसा की भारतीय सैनिक का पहला और सर्वोच्च कर्तव्य राष्ट्र की संप्रभुता, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करना होता है।

सांझी संरक्षण कार्यशाला दो से चार जून तक

जींद। हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं को संरक्षित एवं संवर्धित करने के उद्देश्य से कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा सांझी संरक्षण अभियान के तहत मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दो से चार जून तक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल पांडु पिंडारा स्थित पांचाल धर्मशाला में तीन दिवसीय सांझी संरक्षण कार्यशाला आयोजित होगी।

एलुमनी एसोसिएशन मतदाता प्रकाश 10 को

जींद। एलुमनी एसो राजकीय कालेज के नौ कार्यकारिणी सदस्यों के निर्वाचन हेतु चुनाव कार्यक्रम जारी किया है। रिटर्निंग ऑफिसर डा. युद्धवीर रेढू ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 10 जून को किया जाएगा। मतदाता सूची संबंधी आपत्तियां 15 जून से 18 जून तक प्राप्त की जाएंगी तथा उनका निस्तारण 22 जून को किया जाएगा। कार्यकारिणी सदस्यों के लिए नामांकन पत्र 25 से 27 जून तक स्वीकार किए जाएंगे तथा उनकी जांच 28 एवं 29 जून को की जाएगी।

सोमनाथ मंदिर की फ्री यात्रा के लिए आवेदन छह तक करें

जींद। एडीसी प्रदीप कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्ष की अखंड आस्था व पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने पर बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल श्री सोमनाथ मंदिर प्रभास पाटन, वेरावल (गुजरात) के दर्शन करवाए जाएंगे। आगामी आठ जून को एक विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री सैनी विशेष ट्रेन को कुरुक्षेत्र से झंडी दिखा कर रवाना करेंगे।

25 युवाओं ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

जींद। नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए सर्व कल्याण मंच जींद टीम द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक एवं शिविर के संयोजक लक्ष्य शर्मा ने बताया कि रक्तदान कैंप में ए पॉजिटिव व एबी पॉजिटिव ब्लड ग्रुप के 25 युवाओं ने रक्तदान किया। इसमें डीएसपी रिषभ सोढ़ी ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए करना पड़ा लंबा इंतजार, एजेंसी ने मांगी माफी

तकनीकी खराबी के कारण समय पर शुरू नहीं हो पाई सीयूईटी की परीक्षा

जिले के कई सेंटरों पर समय पर नहीं हो पाई परीक्षा, स्थिति को भांपते हुए एजेंसी को समय सारणी में करना पड़ा बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

तकनीकी खराबी की वजह से शनिवार को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी। सुबह 9 बजे शुरू होने वाली परीक्षा कई जगह करीब 11:23 बजे शुरू हुई। इससे हजारों अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। पूरे दिन अभ्यर्थी बेहद परेशान नजर आए। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बताया कि परीक्षा आयोजन से जुड़ी एजेंसी एमएस टीसीएस की ओर से तकनीकी गड़बड़ी सामने आई थी। इसी कारण परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित हुई और कई केंद्रों पर समय पर एग्जाम शुरू नहीं हो पाया। एजेंसी ने बाद में स्थिति को संभालते हुए जरूरी बदलाव किए। दरअसल शनिवार को सभी परीक्षा केंद्रों पर सुबह 8 बजे ही प्रवेश प्रक्रिया बंद कर दी गई थी। बड़ी संख्या में छात्र समय से पहले केंद्रों पर पहुंच गए थे लेकिन परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले तकनीकी समस्या आ गई। जिससे पूरी प्रक्रिया रुक गई। कई केंद्रों पर छात्र घंटों तक बैठे रहे लेकिन परीक्षा शुरू नहीं हुई। इस दौरान अभ्यर्थियों में भ्रम की स्थिति बनी रही। वहीं केंद्रों के बाहर खड़े अभिभावकों में भी नाराजगी देखने को मिली। पता चला है कि नोएडा सेक्टर-64 स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र में हालात और भी खराब रहे। यहां सैकड़ों छात्र सुबह से परीक्षा देने पहुंचे थे, लेकिन तकनीकी खामी के कारण परीक्षा शुरू ही नहीं हो सकी। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार परीक्षा को रद्द करना पड़ा। इससे छात्रों और उनके अभिभावकों में भारी रोष देखने को मिला। तकनीकी समस्या सामने आने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने तुरंत दोपहर सत्र की परीक्षा का समय बदल दिया। नए शेड्यूल के अनुसार अब रिपोर्टिंग और एंट्री दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी। परीक्षा का समय भी बदलकर शाम 4:00 बजे कर दिया गया है, जबकि पहले यह दोपहर 3:00 बजे तय था। एजेंसी ने यह भी साफ किया कि सुबह के अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र हल करने के लिए पूरा निर्धारित समय दिया जा रहा है। परीक्षा समाप्त होने के बाद ही उन्हें केंद्र से बाहर जाने की अनुमति दी गई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर खेद व्यक्त किया है। एजेंसी का कहना है कि तकनीकी समस्या का समाधान कर लिया गया है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी अभ्यर्थी को नुकसान न हो। एजेंसी ने भरोसा दिलाया कि सभी प्रभावित छात्रों को अतिरिक्त समय दिया जाएगा, ताकि परीक्षा निष्पक्ष तरीके से पूरी हो सके।

अंबाला। परीक्षा केंद्र के बाहर इंतजार करते अभ्यर्थी। फोटो : हरिभूमि

सरकार को सीधे ठहराया जिम्मेदार

परीक्षाओं में लगातार हो रही गड़बड़ियों को लेकर ज्यादातर अभ्यार्थी सरकार के इंतजाम से बेहद परेशान हैं। कई अभ्यार्थियों ने बताया कि वे महीनों से परीक्षा के लिए तैयारी करते हैं। मगर जब परीक्षा देने की बारी आती है तो सेंटर पर कभी इंतजाम नहीं होते तो कभी परीक्षा ही लीक हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे तो इस देश के बच्चों का भविष्य ही खतरे में है। रोजगार के तो युवाओं को पहले ही लाले पड़े हैं। अगर ऐसे परीक्षाओं में बदइंतजामी होने लगी तो फिर युवाओं का भविष्य तो अंधकारमय होना तय है।

यहां करें संपर्क

परीक्षा से जुड़ी किसी भी समस्या या जानकारी के लिए उम्मीदवार हेल्पलाइन नंबर +91-11-40759000 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा **cuet-ug@nta.ac.in** ईमेल के माध्यम से भी सहायता ली जा सकती है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा से जुड़ी सभी अधिकारिक अपडेट और जानकारी के लिए सीयूईटी की वेबसाइट पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

गेस्ट टीचरों को तुरंत नियमित करे सरकार

- वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे गेस्ट टीचरों के हितों की अनदेखी करना दुर्भाग्यपूर्ण : पूजा

बराड़ा। मुलाना से कांग्रेस विधायक पूजा चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

मुलाना विधायक पूजा ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा गेस्ट टीचरों को नियमित करने संबंधी दिए गए फैसले का स्वागत करते हुए प्रदेश सरकार से बिना देरी किए अतिथि अध्यापकों को नियमित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे गेस्ट टीचरों के हितों की अनदेखी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक ने अपने जारी प्रेस बयान में कहा कि यह मामला केवल हजारों शिक्षकों के रोजगार और भविष्य से जुड़ा नहीं है, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था तथा लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से भी संबंधित है। उन्होंने कहा कि गेस्ट टीचर लंबे समय से सरकारी विद्यालयों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं और शिक्षा व्यवस्था को संभालने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विधायक ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला गेस्ट टीचरों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। उन्होंने अतिथि अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि न्यायालय के निर्णय ने उन दावों की भी पोल खोल दी है, जिनमें भाजपा सरकार द्वारा बार-बार यह कहा जाता रहा कि गेस्ट टीचरों की नियुक्तियां नियमों के अनुरूप नहीं थीं। पूजा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने, शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गेस्ट टीचरों की नियुक्तियां की गई थीं। उस समय सभी निर्धारित प्रक्रियाओं और मानकों का पालन किया गया था। उन्होंने कहा कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2014 में बनाई गई नियमितीकरण नीतियों को उचित ठहरा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने वर्षों से सेवाएं दे रहे गेस्ट टीचरों को नौकरी की स्थिरता और उनके अधिकारों से वंचित रखा है। अब जबकि उच्च न्यायालय ने भी उनके पक्ष में स्पष्ट निर्देश दिए हैं, सरकार को चाहिए कि वह किसी प्रकार की देरी न करते हुए गेस्ट टीचरों को नियमित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करे। विधायक पूजा ने कहा कि प्रदेश के हजारों गेस्ट टीचर लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अब सरकार को न्यायालय के निर्देशों का सम्मान करते हुए उनके हित में सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि गेस्ट टीचरों को नियमित करना शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मानसून से पहले मेयर ने लिया सफाई का जायजा

- जगाधरी गेट, प्रेम नगर और इंको ड्रेन की नहीं हुई अच्छे से सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

मानसून सीजन को देखते हुए अंबाला शहर की मेयर अक्षिता सैनी ने शनिवार को मोर्चा संभाल लिया। मेयर ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर ड्रेनों एवं नालों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जगाधरी गेट, प्रेम नगर क्षेत्र तथा इन्को ड्रेन सहित कई स्थानों पर पहुंचकर सफाई कार्यों का जायजा लिया और नगर निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मेयर अक्षिता सैनी ने कहा कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए ड्रेनों और नालों की समयबद्ध एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उन स्थानों की भी समीक्षा की जहां बरसाती पानी की निकासी में किसी प्रकार की बाधा या समस्या सामने आ रही थी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे सभी बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मेयर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून शुरू होने से पहले सभी ड्रेनों, नालों एवं जल निकासी तंत्र की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाए, ताकि शहरवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा जल निकासी से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पहले से ही दुरुस्त रखनी होंगी। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि मानसून सीजन के मद्देनजर डीजल पंप, वॉटर पंप एवं अन्य आवश्यक मशीनरी और संसाधनों को पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रखा जाए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। मेयर ने कहा कि प्लास्टिक, पॉलीथीन एवं अन्य कचरे को नालों और ड्रेनों में न फेंकें। उन्होंने कहा कि पॉलीथीन और कचरे के कारण नाले अवरुद्ध हो जाते हैं, जिससे बरसाती पानी की निकासी प्रभावित होती है।

अंबाला। सफाई को लेकर जरूरी निर्देश देती मेयर अक्षिता सैनी। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को दी पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन की जानकारी

- एमडीएसडी कॉलेज में हुआ वैश्विक शैक्षणिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

एमडीएसडी कॉलेज के विद्यार्थियों ने एनडीएलआई क्लब द्वारा आयोजित वैश्विक शैक्षणिक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। ग्लोबल इवेंट में पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के विशेषज्ञ डॉ. प्रसाद मोदीक ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार सांझा किए। इस कार्यक्रम में एमडीएसडी कॉलेज एनडीएलआई क्लब के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दर्ज कराई। वैश्विक स्तर के इस ज्ञानवर्धक सत्र से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की सहभागिता को सफलतापूर्वक समन्वित एमडीएसडी कॉलेज की लाइब्रेरियन एवं एनडीएलआई क्लब, एमडीएसडी कॉलेज की अध्यक्ष डॉ. कौशल चौहान द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को कार्यक्रम में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, ऑनलाइन जॉइनिंग स्टेप्स तथा सर्टिफिकेट डाउनलोड करने की पूरी जानकारी पहले ही उपलब्ध करवाई, जिससे सभी प्रतिभागी बिना किसी कठिनाई के सत्र में शामिल हो सके।

अंबाला। कार्यक्रम में मौजूद कॉलेज छात्र। फोटो : हरिभूमि

शातिर वाहन चोर काबू, चोरी के चार वाहन बरामद

अंबाला। वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट की टीम ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल और दो एक्टिवा स्कूटी सहित कुल चार दो-पहिया वाहन बरामद किए गए हैं। थाना अंबाला शहर में दर्ज बाइक चोरी के एक मामले को सुलझाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक ऋषिपाल के कुशल नेतृत्व में पुलिस ने सूचना के आधार पर जाल बिछाकर आरोपी को काबू किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान जॉनी उर्फ बाबा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गांव नागल गढ़ोली (थाना शहजादपुर) का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी बेहद शातिर किस्म का वाहन चोर है। उसने थाना अंबाला शहर क्षेत्र के अलावा अंबाला छावनी और थाना महेश नगर क्षेत्र से भी दो-पहिया वाहन चोरी करने की वारदातों को कबूल किया है। बरामद किए गए चारों वाहन आरोपी के खिलाफ पहले भी बाइक व गृह भेदन के 6 मामले दर्ज है। बता दें कि अंबाला शहर के बंद फाटक एरिया के रहने वाले देव राज की मोटरसाइकिल बीते 10 मई को चोरी हो गई थी।

'लोक अदालत सस्ते न्याय का सशक्त माध्यम'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

- 15 करोड़ 51 लाख 75 हजार 345 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया

जिला मुख्यालय में स्थित न्यायिक परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार चेक बाउंस धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत कार्यक्रम की देखरेख जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि विशेष लोक अदालत में पूनम सुनेजा जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जयवीर सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शिफा करण सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सौरभ गुप्ता अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जसबीर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मोनिका मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, विवेक सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, परिंदर सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, जश्नप्रीत सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, महक प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, श्रीस्प्रीत कौर प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट जींद, योगेश कौशिक प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट, संदीप कुमार ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट नरवाना, अश्विन गुप्ता प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट नरवाना एकमजोत कौर, प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, नरवाना, अमनदीप ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट सफीदों, अमित नैन प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट सफीदों, अनीशा रानी प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट सफीदों के बेंच गठित किए गए। विशेष लोक अदालत में कुल 199 मामले रखे गए। इनमें से 51 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया इसमें 15 करोड़ 51 लाख 75 हजार 345 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने कहा कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए। क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है।

ईटेक इंजीनियर्स कंपनी में लाखों की चोरी,केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

गांव कक्कड़ माजरा स्थित 'ईटेक इंजीनियर्स' कंपनी में चोरों द्वारा दीवार फांदकर भारी मात्रा में कीमती सामान चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कंपनी के एचआर की शिकायत पर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में कंपनी के एचआर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि घटना 28 मई 2026 की रात करीब 12:00 बजे की है। चोरों ने कंपनी के प्लांट की दीवार फांदी और अंदर दाखिल होकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, चोरों ने कंपनी के प्लांट से भारी मात्रा में कीमती सामान समेट लिया, जिसमें मुख्य रूप से कॉपर केबल (तांबे के तार), एमआईजी टॉर्च ग्राइंडिंग मशीन, एमआईजी रोल,पॉवर केबल तथा अन्य महत्वपूर्ण सामान घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चोरों की तलाश के लिए आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया जाएगा।

शादी से पहले 19 वर्षीय युवती लापता, लिव इन में पार्टनर के साथ रह रही थी

अंबाला। प्रीत नगर इलाके से एक 19 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। युवती अपने लिव-इन पार्टनर के साथ रह रही थी। अगले महीने दोनों परिवारों की सहमति से उनकी शादी होनी तय थी। युवती के पार्टनर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के पार्टनर ने बताया कि वह एसी रिपेयरिंग का काम करता है। वह बीते दिन शाम करीब 5 बजे काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। जब वह रात करीब 8 बजे वापस लौटे, तो उनकी मंगेतर घर पर नहीं मिली। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास तलाश की। इसके बाद युवती के मूल निवास सुहाना (मुलाना) और अन्य संभावित ठिकानों पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। लापता युवती का कद 5 फुट 2 इंच है, उसका रंग गेहूंआ, चेहरा पतला और शरीर फुर्तीला है। गायब होने के समय उसने हरे रंग की टी-शर्ट, काले रंग का लोअर और पैरों में काली चप्पल पहनी हुई थी।

संदिग्ध हालात में दो युवतियां लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलो की जांच कर रही है। गांधी नगर नरवाना निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर से गायब हो गई। वहीं श्याम नगर निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी नाबालिग बेटी घर से गायब हो गई। दोनों अभिभावकों ने उन्हें तलाशा भी लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक

ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

2 से ऑनलाइन आवेदन, निःशुल्क बस पास की मिलेगी सुविधा

आईटीआई होली में प्रवेश शुरू, 27 ट्रेडों में मिलेगा मौका

सभी वर्ग की छात्राओं को मिलेगी एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के दिशा-निर्देशानुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) एट होली में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 2 जून 2026 से 15 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद युवाओं का रुझान तकनीकी एवं कौशल आधारित शिक्षा की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में आईटीआई में प्रवेश विद्यार्थियों के लिए रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है। संस्थान में विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिससे उन्हें सरकारी नौकरी, निजी कंपनियों, अप्रेंटिसशिप, स्वरोजगार तथा विदेशों में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। संस्थान के प्रधानाचार्य अश्वनी कुमार ने बताया कि आईटीआई होली में आधुनिक सुविधाओं एवं अनुभवी प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि विद्यार्थी उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित कर सकें।

बराड़ा। आईटीआई का बाहरी दृश्य।

सामान्य वर्ग के लिए सौ रुपये आवेदन शुल्क

प्रधानाचार्य ने बताया कि 10वीं पास विद्यार्थी दो वर्षीय आईटीआई कोर्स पूर्ण करने के बाद हिन्दी या अंग्रेजी भाषा का एक विषय उत्तीर्ण कर 12वीं के समकक्ष योग्यता भी प्राप्त कर सकते हैं। दाखिले हेतु शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, फैमिली आईडी, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी एवं नवीनतम फोटो आवश्यक होंगे। आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 100 रुपये, आरक्षित वर्ग के लिए 50 रुपये तथा महिला अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क रहेगा। संस्थान में हेल्प डेस्क भी स्थापित किए जाएंगे, जहां अभ्यर्थी बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

यह चिंताजनक बात है कि प्रकृति की निकटता का महत्व समझते हुए भी आज के समय में अधिकांश लोग उससे दूर होकर दिन के कई घंटे विभिन्न डिजिटल स्क्रीन के साथ बिताते हैं। इससे कई समस्याएं पैदा होती हैं। इनसे बचने के लिए हमें प्रकृति के सान्निध्य में रहना चाहिए। साथ ही उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प भी हमें लेना चाहिए।

प्रकृति से जुड़ाव सुधारेगा स्वास्थ्य

बेहतर होगा पर्यावरण

{ कवर स्टोरी / स्नेहा सिंह }

आज हम सब तकनीक के उन्नत दौर में जी रहे हैं। स्मार्टफोन, लैपटाप, टैबलेट और टेलीविजन जैसे उपकरणों ने हमारे जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसी सुविधा ने हमें धीरे-धीरे प्रकृति से दूर भी कर दिया है। सुबह आंख खुलते ही हाथ मोबाइल तक पहुंचता है और रात में नींद आने तक स्क्रीन हमारी आंखों के सामने रहती है। ऐसा लगता है मानो आधुनिक जीवन का हर पल किसी न किसी डिजिटल उपकरण से जुड़ गया हो।

तकनीक का नकारात्मक प्रभाव: तकनीक ने संचार, शिक्षा, व्यापार और मनोरंजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। लगातार स्क्रीन के सामने रहने की आदत ने हमारे शरीर और मन दोनों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स की अवधारणा तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा अर्थ है, कुछ समय के लिए डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के करीब जाना जरूरी है।

बहुत कारगर है नेचर हीलर: आज विज्ञान भी यह स्वीकार कर चुका है कि प्रकृति केवल सौंदर्य निहारने का माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली चिकित्सक की तरह भी होती है। पेड़, हरियाली, खुला आकाश, मिट्टी और ताजी हवा हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि से कम नहीं होते हैं। जब कोई व्यक्ति प्रकृति के बीच समय बिताता है, तब उसके शरीर में कई सकारात्मक जैव-रासायनिक परिवर्तन शुरू हो जाते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बगीचे में घास पर नंगे पैर चलना अत्यंत लाभदायक है। इस प्रक्रिया को अर्थिंग या ग्राउंडिंग कहा जाता है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य का पृथ्वी से सीधा संपर्क लगभग समाप्त कर दिया है। डामर की सड़कें, सीमेंट के फर्श और रबर के जूते हमें प्रकृति से अलग कर चुके हैं। जबकि हमारे पैरों के तलवों में शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़े तंत्रिका बिंदु होते हैं। घास और मिट्टी पर चलने से इन बिंदुओं पर प्राकृतिक दबाव पड़ता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

प्रकृति केवल मानसिक शांति ही नहीं देती, बल्कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है। पेड़-पौधे वातावरण में फाइटोनसाइड्स नामक जैविक रसायन छोड़ते हैं। ये तत्व मनुष्य के शरीर में जाकर श्वेत रक्त कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। नीम, पीपल, बरगद और अन्य विशाल वृक्ष केवल छाया देने का काम नहीं करते, बल्कि वे वातावरण को शुद्ध बनाकर हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। यही कारण है कि गांवों और हरियाली वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य अकसर बेहतर पाया जाता है।

स्क्रीन की लत से बिगड़ता स्वास्थ्य: अगर आप वर्किंग हैं तो ऑफिस का ज्यादातर काम कंप्यूटर पर होता है, खाली समय मोबाइल पर स्क्रॉल करते बीतता है और मनोरंजन टेलीविजन या ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। परिणामस्वरूप शरीर लगातार कृत्रिम रोशनी के संपर्क में रहता है। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव डालती है। इससे आंखों में जलन, सूखापन और धुंधलापन बढ़ने लगता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से सिरदर्द, गर्दन और कंधों में दर्द तथा मांसपेशियों में जकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चे हों या बड़े, लगभग हर आयु वर्ग इसके दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है।

सबसे गंभीर प्रभाव हमारी नींद पर पड़ता है। रात में देर तक मोबाइल देखने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन बाधित होता है, जो नींद को नियंत्रित करता है। परिणामस्वरूप अनिद्रा, बेचैनी और मानसिक थकान बढ़ने लगती है। धीरे-धीरे यह स्थिति तनाव, अवसाद और चिड़चिड़ेपन का कारण बन जाती है।

आंखों-मस्तिष्क को मिले आराम: लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। हमारा ध्यान केवल

नजदीकी वस्तुओं पर केंद्रित रहता है, जिससे आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति हरियाली और दूर तक फैले प्राकृतिक दृश्यों को देखता है, तो आंखों को आराम मिलता है।

हरा रंग आंखों के लिए सबसे आरामदायक माना जाता है। प्रकृति की हरियाली आंखों की थकान कम करती है और मानसिक तनाव को भी घटाती है। यही कारण है कि पार्क में कुछ समय बिताने के बाद व्यक्ति स्वयं को अधिक शांत और ताजगी से भरा महसूस करता है।

पौधों के संग बिताएं समय: आज के दौर में लोग अधिकांश समय डिजिटल दुनिया से जुड़े रहते हैं। आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में यदि हम प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं तो अपने शरीर और मस्तिष्क को पुनः ऊर्जावान बना सकते हैं। इसके लिए हम रोज कुछ समय अपने गार्डन में या बालकनी के गमलों में लगे पौधों की देखभाल कर सकते हैं। सुबह-शाम उनको पानी दे सकते हैं। उनकी मिट्टी की गुड़ाई कर सकते हैं, उसकी सफाई कर सकते हैं। इससे आपको पेड़-पौधों के करीब रहने का अवसर मिलेगा। यही नहीं आप रोज सुबह-शाम अपने आस-पास के किसी पार्क में वॉक करने जा सकते हैं। कुछ देर वहां की ताजी हवा में सांस ले सकते हैं। पेड़ों के झुरमुट में पक्षियों के कलरव को सुन सकते हैं। यकीन मानिए, पूरे दिन में से प्रकृति के करीब बिताए गए कुछ मिनट आपको न केवल ताजगी से भर देंगे, आपको प्रकृति की महत्ता का अहसास भी कराएंगे। जाहिर है, इससे आप प्रकृति के प्रति, अपने आस-पास के वातावरण के प्रति संवेदनशील बनेंगे। आप उसको स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भी प्रेरित होंगे। *

विशेष: विश्व साइकिल दिवस 3 जून

साइकिलिंग का डबल फायदा

स्वस्थ शरीर-शुद्ध वातावरण

भले ही आज की फास्ट लाइफ में साइकिल चलाना कम ही लोग पसंद करते हैं। लेकिन इसे चलाने से न केवल स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे मिलते हैं, पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी यह मददगार है। इससे होने वाले तमाम फायदों पर एक नजर।

{ अवेयरनेस / नम्रता नदीम }

आज के दौर में खान-पान में होने वाले बदलाव, निष्क्रिय जीवनशैली और जीवन में बढ़ते तनाव के कारण कम उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसीलिए डॉक्टर्स स्वस्थ रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी को बेहद जरूरी मानते हैं। इन एक्टिविटीज में साइकिलिंग को बहुत कारगर माना जाता है, जिसे करके हम न केवल वजन घटा सकते हैं, कई बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं, साथ ही अपने आस-पास के वातावरण को भी प्रदूषणमुक्त रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।

वातावरण को लाभ: साइकिल में पेट्रोल, डीजल या किसी अन्य प्रकार का ईंधन इस्तेमाल नहीं होता है। इसलिए इससे वायु प्रदूषण बिल्कुल नहीं होता है। इसमें बिजली का भी यूज नहीं होता, इस तरह एनर्जी की बचत होती है। इसमें तेज आवाज वाले हॉर्न नहीं होते हैं, इससे ध्वनि प्रदूषण भी नहीं होता है। इसका आकार छोटा होता है, इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है।

उपयुक्त समय-स्थान: साइकिल चलाने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त होता है, क्योंकि खाली पेट साइकिल चलाने से बॉडी फैट जल्दी बर्न होता है। शुरुआती दौर में सीधी सपाट रोड पर साइकिलिंग और बाद में ज्यादा कैलोरीज बर्न करने के लिए, वजन घटाने के लिए चढ़ाई पर भी साइकिलिंग की जा सकती है। जिस समय साइकिल चला रहे हों, अपने पोस्चर पर फोकस करें। साइकिल चलाते समय एक ही पोस्चर में न रहकर उसमें बदलाव करते रहें ताकि शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी जोर पड़े।

पैडलिंग: साइकिलिंग के रुटीन को शुरू करने से पहले कहां से पैडलिंग करनी है और कहां आराम से राइड करना है, यह ध्यान रखना जरूरी है। पैरों की मदद से जब पैडलिंग की जाती है तो पैर ऊपर से नीचे की तरफ एक्टिविटी करते हैं। इससे पैरों की मसल्स से लेकर शरीर के निचले हिस्से और ऊपर के हिस्से की मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है।

होने वाले स्वास्थ्य लाभ: साइकिलिंग दिल के स्वास्थ्य के लिए बहुत बेहतर एक्सरसाइज है। इससे ब्लड सर्कुलेशन से जुड़े जोखिम को कम कर सकते हैं। जो लोग ऑफिस या किसी दूसरे स्थान पर दिन भर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए साइकिलिंग इसलिए भी बेहतरीन एक्सरसाइज है, क्योंकि इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। साइकिल चलाने से इंसुलिन लेवल कम होता है। प्रतिदिन एक घंटे अगर साइकिलिंग की जाए तो 500 कैलोरी बर्न होती है और इससे वजन भी जल्दी कम होता है। विभिन्न शोध इस बात की ओर इशारा करते हैं कि पुरुषों ही नहीं महिलाओं के लिए भी साइकिलिंग एक फायदेमंद एक्सरसाइज है। यह उनमें ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करती है। जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम करने के लिए भी साइकिलिंग काफी फायदेमंद होती है। अर्थराइटिस में भी यह एक अच्छी एक्सरसाइज है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। साइकिलिंग से हमें डिप्रेशन और टेंशन कम होता है।

बुजुर्गों के लिए फायदेमंद: जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण व्यायाम करना मुश्किल होता है। लेकिन उम्र बढ़ने के बावजूद साइकिल चलाना एक ऐसा व्यायाम है, जो आसानी से हो सकता है और जिसके कई फायदे हैं। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि साइकिल चलाने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होती है। साइकिल चलाने से ओल्ड एज में भी निरोगता बढ़ती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों में कैंसर, हृदय रोग और समय पूर्व मृत्यु की आशंका कम होती है। साइकिलिंग से पहले अतिरिक्त कार्बोहाइड्रेट डाइट लें। इस दौरान आप स्नैक्स भी ले सकते हैं। साइकिलिंग करते समय हाइड्रेट रहें। जो लोग सामाजिक रूप से दूसरों से अलग रह रहे हैं, इस उम्र में उनमें अवसाद की आशंका रहती है। इसलिए फ्रेंड्स के साथ साइकिलिंग करने से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि आप खुशमिजाज जीवन जी सकते हैं। *

विशेष: तंबाकू निषेध दिवस 31 मई

इसलिए नहीं छूटती तंबाकू की लत

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन बेहद खतरनाक होता है। ऐसे में केवल एक दिन ही नहीं हर रोज अनेक स्तरों पर प्रयास करने, लोगों को जागरूक किए जाने की जरूरत है।

{ प्रिकॉशन
लोकमित्र गौतम }

हर साल 31 मई को दुनिया भर में 'वर्ल्ड नो टोबेको-डे' यानी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि यह दिवस जोर-शोर से मनाए जाने के बावजूद आखिरकार दुनिया तंबाकू की जानलेवा गिरफ्त से बाहर क्यों नहीं आ पा रही है?

चिंता बढ़ाते आंकड़े: दुनिया भर में तंबाकू का सेवन लगातार बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल दुनिया में 70 लाख से ज्यादा लोग सीधे तंबाकू सेवन के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं, जबकि 12 से 13 लाख लोग परोक्ष धूम्रपान यानी धूम्रपान करने वाले लोगों के साथ रहने के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

कई बीमारियों की वजह: कुछ लोगों को लगता है कि तंबाकू केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन सच्चाई यही नहीं है। सच यह है कि तंबाकू सबसे ज्यादा तरह के कैंसर होने का कारण है। तंबाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होता है, मुंह का कैंसर, गले और जीभ का कैंसर, स्वर यंत्र का कैंसर, अन्न नली, पेट और अग्नयाशय का कैंसर, ये सभी तरह के कैंसर विशेषकर भारत में गुटखा, खैनी और जर्दा खाने के कारण हो रहे हैं। इसके अलावा भी तंबाकू के सेवन से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप और हृदय की धमनियों का संकुचन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। तंबाकू के लगातार सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर हो जाती है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। घाव मुश्किल से भरते हैं। अगर गर्भवती महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं, तो समय से पहले प्रसव की समस्या पैदा हो जाती है, पैदा होने वाले बच्चे का वजन बहुत कम रह जाता है, गर्भपात का खतरा 30 फीसदी ज्यादा बढ़ जाता है और नवजात की मृत्यु का जोखिम सामान्य से कई गुना ज्यादा हो जाता है। इस तरह देखें तो तंबाकू के सेवन से एक नहीं अनेक तरह के स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं।

युवाओं में बढ़ा ट्रेंड: दुनिया में तंबाकू का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। अगर विशेष तौर पर युवाओं की बात करें तो वे फिटनेस एप डाउनलोड कर रहे हैं, जिम जा रहे हैं, ऑर्गेनिक भोजन पर जोर दे रहे हैं, लेकिन सिगरेट, गुटखा और विभिन्न निकोटिन उत्पादों की लत से निकल नहीं पा रहे। पहले जहां बीड़ी और सिगरेट ही युवाओं को गिरफ्त में लेने के दो बड़े तंबाकू उत्पाद थे, वहीं अब फ्लेवर्ड वेप, ई-सिगरेट, निकोटिन पाउच और न जाने कितने आकर्षक पैकेजिंग वाले तंबाकू उत्पाद बाजार में आ गए हैं, जिनके मोहजाल से युवा तो छोड़िए, किशोर भी नहीं छूट पा रहे। कंपनियां इन्हें कूल, स्टाइलिश और तनाव दूर करने वाला बताकर पेश करती हैं। सोशल मीडिया पर फिल्मों, वेब सीरीज और इंफ्लूएंसर संस्कृति ने भी धूम्रपान को एक नई तरह के ग्लैमर से जोड़ दिया है। इसलिए यंगस्टर्स इसकी गिरफ्त में बढ़ते जा रहे हैं।

कारगर नीति की है कमी: भारत की स्थिति तो विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तंबाकू उपभोक्ता देशों में शामिल है। यहां धूम्रपान के अलावा चबाने वाले तंबाकू का भी एक भारी-भरकम बाजार है। गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और सुगंधित निकोटिन उत्पाद, गांवों से लेकर महानगरों तक युवाओं की कमजोरी बनकर रह गए हैं। सरकार एक तरफ तो तंबाकू के सेवन पर बहुत चिंतित होती है, दूसरी तरफ हर तरह के तंबाकू उत्पाद गांवों से लेकर शहरों तक हर जगह इतनी आसानी और इफरात में उपलब्ध हैं कि जरा-सा इनकी तरफ कोई फिसला नहीं कि हमेशा के लिए इसके चक्रव्यूह में फंसकर रह जाता है।

हद तो यह है कि जैसे-जैसे विकास के नाम पर, आधुनिकीकरण के नाम पर, तेज रफ्तार लाइफस्टाइल के नाम पर, लोग स्मार्ट हो रहे हैं, वैसे-वैसे तंबाकू उत्पादन के सेवन को सामान्य आदत मानते जा रहे हैं। इसीलिए हर साल 'नो टोबेको-डे' की रस्म अदायगी के बावजूद तंबाकू का सेवन पूरी दुनिया में दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसलिए विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल प्रतिबंध से बात नहीं बनने वाली बल्कि धूम्रपान के विरुद्ध एक जन सांस्कृतिक अभियान की जरूरत है, तब कुछ असर होगा। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

विडंबनाओं पर कटाक्ष

वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञान चतुर्वेदी के व्यंग्यों का नया संग्रह 'बाराखड़ी' हाल में छपकर आया है। इसमें कुल 61 व्यंग्य संकलित हैं। पुस्तक की भूमिका में उन्होंने लिखा है कि पिछली सदी की तुलना में इस सदी के तेजी से बदलते दौर में व्यंग्य लेखन की शैली का बदलना भी जरूरी है। इस संग्रह के व्यंग्यों से गुजरते हुए, उनकी यह बात सही साबित होती है। विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से ग्रस्त समाज की विडंबनाओं के नए-नए चेहरों को लेखक ने नए अंदाज में व्यंग्यों में अनावृत्त किया है। 'घोटालातुर' व्यंग्य में वे आम लोगों की मानसिकता पर सटीक कटाक्ष करते हुए कहते हैं, 'सभी कर रहे हैं, सब तरफ हो रहा है तो समय रहते मैं भी कर डालूं, यह सोचा है।' राजनीति किस तरह भोले-भाले इंसान के भरोसे के साथ खिलवाड़ करती है, और फिर वह हतप्रभ होकर अपना मार्ग बदल लेता है, इसे 'नारा रिपेयरिंग सेंटर' में पढ़ा जा सकता है। 'वह सालों तक खुशफहमी पाले रहा कि नारों पर अमल करके एक दिन यह देश बदल जाएगा, यहां क्रांति होगी।' पुस्तक के लगभग सभी व्यंग्य हमें झिंझोड़कर हमारी वह तस्वीर दिखाते हैं, जिन्हें देखने से हम बचना चाहते हैं। *

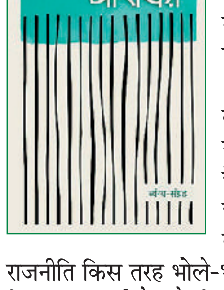

पुस्तक: बाराखड़ी (व्यंग्य-संग्रह), **लेखक:** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्य:** 395 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

{ कहानी / रश्मि वैभव गर्ग }

मन का पर्यावरण

सोमेश जी को जब मालूम हुआ कि घर के नवीनीकरण के लिए उनका पुराना साथी नीम का पेड़ कटने वाला है तो वे बहुत बेचैन हो गए। अपनी मनोदशा उन्होंने अपने पौत्र से साझा की। फिर जो हुआ, वे सुखद एहसास से भर गए।

सोमेश जी का मन आज कुछ व्याकुल-सा था। आज सुबह, उनका पुत्र राहुल और उनकी पुत्रवधु, घर के नवीनीकरण का प्रस्ताव लेकर उनके पास आए थे। दोनों ही पति-पत्नी नवीनीकरण को लेकर काफी उत्साहित थे, तकरीबन सब कुछ तय करके ही आए थे। बस सोमेश जी की सहमति की मुहर लगवाना चाहते थे।

अपने बेटे-बहू का उत्साह देखकर सोमेश जी भी खुश थे, लेकिन एक बात जो उनके मन को कचोट रही थी, वह यह थी कि उनके कमरे के बाहर बगीचे में एक पुराना नीम का पेड़ था, उसके कटवाए जाने की बात की जा रही थी।

सोमेश जी के जीवन पर्यंत का साथी, नीम का पेड़, जिसकी टहनियां अकसर उनके कमरे की खिड़की से अंदर आ जाती थीं, जिससे उन्हें लगता था मानो वो उनसे गलबहियां करना चाहती हों। पत्नी सुधा के निधन के बाद, वो नीम ही उनके अकेलेपन का साथी था, जो उनके जीवन के हर सुख और दुःख का साक्षी था। कभी-कभी जीवन में ऐसे सान्निध्य मिल जाते हैं, जो न केवल हमारे दिल के करीब होते हैं, वरन् उनसे भावनात्मक जुड़ाव, खून के रिश्तों से भी गहन हो जाता है।

सोमेश जी कभी बच्चों की खुशी से खिला चेहरा देखते, जिसमें घर के नवीनीकरण की तस्वीर सज रही थी, तो कभी अपना नीम के साथ बिताया एकाकीपन। अपने पिता की स्मृति को वो यूं भी खोना नहीं चाहते थे। बचपन से उस नीम की छांव तले ही तो बड़े हुए थे वे।

सोमेश जी चाहते थे कि घर के नवीनीकरण में उनका पुरातन साथी नीम का पेड़ भी बना रहे, जिससे वो अपना सुख-दुःख बांट सकें।

सोमेश जी अपनी दुविधा अपने बेटे-बहू से कह नहीं पा रहे थे। शायद दुविधायुक्त मन अपने करीबी लोगों को ढूंढ़ ही लेता है, इसलिए, सोमेश जी को अपने पौत्र पलाश की याद आई। पलाश इसी वर्ष इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे शहर में चला गया था। सोमेश जी ने पलाश को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सही साथी माना, लेकिन अपनी बात उन्हें फोन पर कहना उचित नहीं लगा। उन्होंने पलाश को एक पत्र लिखा।

प्रिय बेटा पलाश,

स्नेहाशीष

आशा है तुम कुशल होगे। शायद यह तुम्हारे जीवन का पहला खत होगा, आज की डिजिटल दुनिया में खतों का अस्तित्व मिट-सा गया है। लेकिन आज भी मुझे यह ही अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम लग रहा है, जिसमें मैं अपने आप को सहज महसूस कर रहा हूं। मेरे मन में एक कसक है, जिसको मैं तुमसे बांटना चाहता हूं। तुम्हारे माता-पिता घर का नवीनीकरण करवाना चाहते हैं, जिसमें वो नीम के पेड़ को कटवाना चाहते हैं। तुम जानते हो इस नीम से मुझे गहरा लगाव है, उसकी जड़ें मेरे जीवन की जड़ों से जुड़ी हैं। वो मेरे अकेलेपन का साथी है, साथ ही मेरे पिता द्वारा लगाया गया स्नेह भी है, जिसकी छाया में मैं बड़ा हुआ हूं। इस स्नेह को मैं भावी पीढ़ियों को भी हस्तांतरित करना चाहता हूं। मुझे उस पेड़ से भावनात्मक प्रेम है। आशा है तुम मेरे एहसास समझोगे बेटा और कोई उपयुक्त हल निकालोगे। यह पेड़ न केवल मेरी आत्मा से जुड़ा है वरन् हमारे घर के पर्यावरण और सकारात्मकता का प्रतिबिंब भी है।

असीम स्नेह के साथ

तुम्हारा दादा जी

सोमेश जी ने अपने मन के भाव खत में उकेर कर उसकी फोटो लेकर, पलाश को भेज दिया। सोमेश जी, बेसब्री से पलाश की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे। सृष्टि में एकाकी कोई नहीं, आज सोमेश जी को नीम का पेड़ अपने अकेलेपन का साथी लग रहा था, जिसके बचाव के लिए उन्होंने अपने दूसरे साथी पलाश को चुना। जीवन यात्रा में हर पड़ाव पर मन का साथी चाहिए।

कुछ समय पश्चात ही पलाश का व्हाट्सएप पर मैसेज आया, सोमेश जी ने तुरंत अपना फोन खोला और बेसब्री से उसे पढ़ना शुरू किया-

आदरणीय दादा जी

सादर अभिवादन

मैं कितना भाग्यशाली हूं कि जीवन में पहली चिट्ठी मुझे आपकी मिली, जिससे मुझे न केवल पत्रों का वजूद पता चला, बल्कि आपके स्नेहपूर्ण जज्बात भी पता चले। आप घर में सबसे बड़े हैं, आपकी भावनाएं घर के नवीनीकरण से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। नीम का पेड़ न केवल आपके जीवन का साक्षी है, बल्कि मेरे और मेरे पापा के जीवन का भी साक्षी है, तो ऐसे पेड़ को हम कैसे कटवा सकते हैं? साथ ही नीम रात्रि में ऑक्सीजन छोड़ने वाला पेड़ है, जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत लाभदायक भी है। मैं तीन दिन बाद घर आ रहा हूं। आकर मां, पापा से पेड़ को नहीं काटने की बात कर लूंगा, उन्हें कहूंगा कि मैं नहीं चाहता कि यह पेड़, जिसकी छांव में मैं बड़ा हुआ हूं, काटा जाए। उन्हें नीम का पर्यावरण में महत्त्व भी बताऊंगा। आप निश्चिंत रहें, और हां दादा जी, हम एक नया पौधा भी लगाएंगे, जिसके छांव तले हमारी भावी पीढ़ियां पल्लवित हों, ताकि उनसे मैं कह सकूं कि यह मेरे दादा जी की अमानत है, जो मेरे घर के पर्यावरण के साथ मेरे जीवन के सभी सुख-दुःख का भी साक्षी रहा है।

आपका सबसे छोटा दोस्त

पलाश

पलाश का ऐसा भावपूर्ण पत्र पढ़कर सोमेश जी की आंखें स्नेह से भर आईं। सोमेश जी सोच रहे थे कि जिस पेड़ की जड़ों में भावों का इतना अकूत खजाना हो, उसकी परवरिश कमतर कैसे हो सकती है। सोमेश जी का सीना गर्व से फूल गया कि पलाश आखिर इसी नीम की छांव में बड़ा जो हुआ है। यह सब सोचकर सोमेश जी मंद-मंद मुस्कुराते हुए सोच रहे थे। पेड़ न केवल पर्यावरण का संतुलन रखते हैं, वरन् मन के आंगन के पर्यावरण का भी भावनात्मक संतुलन बनाए रखते हैं। *

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल
ये स्वच्छ-सुंदर गांव

वैसे तो अपने देश में लगभग साढ़े छह लाख गांव हैं। लेकिन इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। अपनी इस उपलब्धि के चलते ये गांव न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं, पूरी दुनिया में आदर्श ग्राम के रूप में जाने जाते हैं। एक नजर ऐसे ही कुछ बेमिसाल गांवों पर।

अनुकरणीय / शिखर चंद जैन

भारत के कई ग्रामीण इलाकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति आधारित जीवनशैली के मामले में मिसाल कायम की है। ये गांव प्लास्टिक मुक्त जीवन, हरित ऊर्जा, वृक्षारोपण, संसाधनों के संतुलित उपयोग जैसी गतिविधियों के माध्यम से दुनिया को पर्यावरणीय स्वच्छता की राह दिखा रहे हैं। इनके बारे में जानकर आप भी जरूर प्रेरित होंगे।

ईश्वर का बगीचा मावलिननॉन्ग

मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में स्थित मावलिननॉन्ग गांव अपनी अनोखी स्वच्छता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है और इसे 'एशिया का सबसे स्वच्छ गांव' तथा 'ईश्वर का अपना बगीचा' भी कहा जाता है। यह गांव पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली और विशिष्ट खासी संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र है। 'डिस्कवर इंडिया' पत्रिका द्वारा 2003 में इसे एशिया का और 2005 में भारत का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया था। इस गांव में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है और धूम्रपान भी वर्जित है। यहां के सभी निवासी मिलकर सामुदायिक सफाई करते हैं। सड़कों पर झाड़ू लगाना यहां के ग्रामीणों की दिनचर्या का हिस्सा है। इस गांव की साक्षरता दर लगभग 90 प्रतिशत है। यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि और पर्यावरण-पर्यटन है। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इस गांव में कूड़ा इकट्ठा करने के लिए भी प्लास्टिक की बकेट नहीं बल्कि बांस के कूड़ेदान का उपयोग होता है।

स्वच्छता-समृद्धि की मिसाल हिवरे बाजार

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर (अहमदनगर) जिले में स्थित हिवरे बाजार गांव, जल संरक्षण और आत्मनिर्भरता के लिए दुनिया भर में एक आदर्श ग्राम माना जाता है। पद्मश्री पोपटराव पवार के नेतृत्व में इस गांव ने भयंकर सूखे और पलायन की स्थिति से उबरकर कृषि, स्वच्छता और समृद्धि के मामले में एक नई मिसाल कायम की है। यहां वाटरशेड विकास कार्यक्रम के तहत मिट्टी के 50 से अधिक बांध, चेकडैम और पौधारोपण किया गया। इससे भूजल स्तर इतना ऊपर आ गया है कि भयंकर गर्मी में भी पानी की कमी नहीं होती। सुनियोजित खेती, उन्नत पशुपालन और जल प्रबंधन के कारण गांव के परिवार आर्थिक रूप से संपन्न हो गए हैं। गांव में चारों तरफ हरियाली है। गांव में हर घर में शौचालय और सीवर लाइन की सुविधा है और इसे पूरी तरह से मच्छर-मुक्त गांव माना जाता है। कभी सूखे से जूझने वाला यह गांव आज जल संरक्षण और वाटरशेड प्रबंधन का मॉडल है।

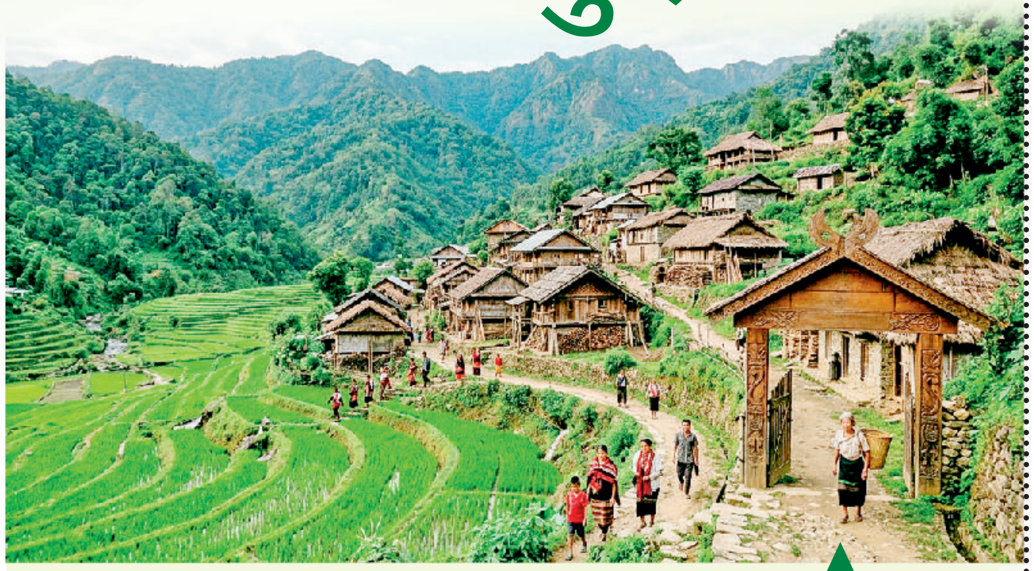

एशिया का पहला ग्रीन विलेज खोनोमा

नागालैंड की राजधानी कोहिमा से लगभग 20 किमी. दूर स्थित खोनोमा गांव भारत ही नहीं, पूरे एशिया का पहला ग्रीन विलेज है। यह गांव जैव विविधता संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और जैविक खेती के लिए जाना जाता है। अंगामी जनजाति द्वारा बसा यह गांव अपने अदम्य साहस, अनूठी संस्कृति और प्रकृति-संरक्षण के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। खोनोमा के निवासियों ने स्वैच्छिक रूप से शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है और जंगलों, लुप्तप्राय जीवों का संरक्षण शुरू किया है। इसके परिणामस्वरूप 2005 में इसे एशिया का पहला हरित गांव घोषित किया गया। यह स्थान पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन का बेहतरीन केंद्र है। यहां के घर पूरी तरह से लकड़ी, बांस और पत्थरों से बने हुए हैं। गांव में सीढ़ीनुमा धान की खेती की जाती है। यहां का प्राकृतिक नजारा बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। यह गांव तंबाकू और शराब मुक्त क्षेत्र भी है। यहां के निवासियों ने शिकार और वनों की कटाई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाकर एक वन्यजीव अभयारण्य भी विकसित किया है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ महिला सशक्तिकरण धरहरा

बिहार के भागलपुर जिले के गोपालपुर प्रखंड में स्थित धरहरा गांव अपनी अनूठी पर्यावरण हितैषी और महिला सशक्तिकरण परंपरा के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इस गांव की खास बात यह है कि यहां जब भी किसी घर में बेटी जन्म लेती है, तो परिवार के लोग घर के आंगन या अपने खेतों में कम से कम 10 फलदार पौधे लगाते हैं। जब बेटियां बड़ी होती हैं, तो इन पेड़ों से होने वाली आय उनकी शिक्षा, शादी या अन्य आर्थिक जरूरतों के लिए एक मजबूत सहारा बनती हैं। इस पुरानी परंपरा के कारण 20,000 से अधिक फलों के पेड़ों की हरियाली के बीच बसा यह गांव पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण का भी एक आदर्श उदाहरण बन गया है। *

ईको-फेमिनिज्म का प्रतीक पिपलांत्री

राजस्थान के राजसमंद जिले का पिपलांत्री गांव अपनी अनूठी 'ईको-फेमिनिज्म' परंपरा के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां बेटियों के जन्म को केवल एक पारिवारिक खुशी नहीं, बल्कि प्रकृति के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। गांव में जब भी किसी बेटी का जन्म होता है, तो सभी ग्रामीण मिलकर उसके सम्मान में 111 पौधे लगाते हैं। यह परंपरा गांव के पूर्व सरपंच श्याम सुंदर पालीवाल ने अपनी दिवंगत बेटी की याद में शुरू की थी। इस अनूठी पहल के लिए उन्हें पद्म श्री से भी सम्मानित किया जा चुका है। कभी संगमरमर की खदानों के कारण बंजर और जल संकट से जूझने वाला यह गांव, आज तीन लाख से भी अधिक पेड़ों के कारण पूरी तरह हरा-भरा हो चुका है। इससे यहां के भूजल स्तर में भी काफी सुधार हुआ है। यहां बेटियां और महिलाएं पेड़ों को राखी बांधती हैं और उन्हें अपने भाई की तरह सुरक्षा देने का संकल्प लेती हैं। पिपलांत्री का यह मॉडल आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक बदलाव और पर्यावरण संरक्षण की एक मिसाल बन चुका है।

जागरूकता / अंजू जैन

आज पूरी दुनिया पर्यावरणीय संकट का सामना कर रही है। इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए सांगठनिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर अनेक अनूठे-आधुनिक प्रयास शुरू किए गए हैं। क्या है इन प्रयासों की खासियतें, जानिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए ये अनूठी पहल हैं सराहनीय

पर्यावरण संकट आज एक वैश्विक समस्या बन चुका है। जल, भूमि और वायु प्रदूषण पर्यावरण-असंतुलन के प्रमुख कारण हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए दुनिया भर में कई अत्याधुनिक और कारगर उपाय अपनाए जा रहे हैं।

ग्रीन रूफ प्रोग्राम: अमेरिका और यूरोप के कई शहरों में इमारतों की छतों पर बगीचे बनाने की पहल की जा रही है, जो शहरी तापमान को कम करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में मदद करती है।

ग्रेट ग्रीन वॉल (अफ्रीका): यह सहारा मरुस्थल के विस्तार को रोकने के लिए अफ्रीका के 11 देशों में बनाई जा रही 8,000 किलोमीटर लंबी पेड़ों की एक विशाल

दीवार या कहें ग्रीन बेल्ट है, जो बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने के उद्देश्य से तैयार की जा रही है।

वर्टिकल गार्डंस: भारत समेत दुनिया के अन्य देशों में भी खास तौर से शहरों में इमारतों की दीवारों पर बगीचे बनाए जा रहे हैं। ये वर्टिकल गार्डंस हवा को शुद्ध करने और तापमान कम करने में मदद करते हैं।

बंदरगाहों के लिए कचरा पात्र सीबिन: सीबिन एक इनोवेटिव, तैरता हुआ कचरा पात्र है, जिसे विशेष रूप से बंदरगाहों, मरीन वॉट क्लबों और शांत जलक्षेत्रों से समुद्री प्रदूषण को साफ करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक प्रभावी समाधान है। इस अनोखे कचरा पात्र को ऑस्ट्रेलियाई सर्फर्स एंड्रयू टर्टन और पीट सेग्लिंस्की द्वारा विकसित किया गया है।

प्लास्टिक का विकल्प एयरकार्बन: एयरकार्बन एक अनोखी जैव-सामग्री है, जिसे न्यूलाइट टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित किया गया है। यह तकनीक हवा में मौजूद ग्रीनहाउस गैसों (जैसे- मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड) को एक उपयोगी, कार्बन निगेटिव प्लास्टिक जैसी सामग्री में बदल देती है। यह एक थर्मोप्लास्टिक सामग्री है, जिसका उपयोग बैग, सेल फोन केस, कंटेनर, फर्नीचर, फैशन उत्पाद आदि बनाने में किया जा रहा है। एयरकार्बन प्राकृतिक रूप से नष्ट होने योग्य (बायोडिग्रेडेबल) है। यह प्लास्टिक का एक बेहतरीन टिकाऊ और ईकोफ्रेंडली विकल्प है।

गन्ने से बनी बोतलें वेगनबॉटल: ये बोतलें गन्ने की पेराई के बाद बचे हुए कचरे (वेस्ट) से निर्मित की जाती हैं। ये बोतलें गन्ने से प्राप्त नवीकरणीय कच्चे माल (बायो-पॉलीमर) से बनी होती हैं। ये गन्ने से बनी बोतलें स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होती हैं, क्योंकि इनमें बिसफेनोल और अन्य हानिकारक रसायन नहीं होते। इन बोतलों में प्लास्टिक की गंध या स्वाद नहीं आता। पारंपरिक प्लास्टिक के विपरीत, गन्ने से बनी बोतलें 180 दिनों के भीतर विघटित हो सकती हैं।

फूड वेस्ट से एनर्जी प्रोडक्शन: फूड वेस्ट को मलबे या कचरे के रूप में फेंकने के बजाय इसे बायोगैस फ्यूल और जैविक खाद में बदलना एक उपयोगी और पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रिया है। इस तकनीक को अवायवीय पाचन (अनएरोबिक डाइजेशन) कहा जाता है। इस बायोगैस का उपयोग खाना पकाने,

बिजली उत्पादन, या बायो-सीएनजी के रूप में किया जा सकता है।

जलकुंभी से बायोचार सीड बॉल्स: जलकुंभी से बायोचार (एक विशेष प्रकार का चारकोल) सीड बॉल्स बनाना एक टिकाऊ कृषि और पर्यावरणीय पहल है। यह न केवल हानिकारक जलकुंभी का निपटान करता है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य और फसल की पैदावार में सुधार के लिए एक प्रभावी समाधान भी है। जलकुंभी बायोचार सीड बॉल्स मिट्टी में पोषक तत्व, नमी और कार्बन को बनाए रखने में मदद करती हैं। इसका उपयोग जल शोधन के दौरान डाई और प्रदूषकों को हटाने के लिए भी किया जा सकता है। *

ट्रेंड / प्रतिमा अरोड़ा

सिर्फ प्रोटेक्शन नहीं फैशन भी है सनस्क्रीन

आज की तारीख में जेन-जी यानी 18 से 28 की उम्र वाले लड़के-लड़कियां सनस्क्रीन को सिर्फ स्किन प्रोटेक्शन का जरिया ही नहीं मानते बल्कि उनके लिए यह स्मार्टनेस और स्टाइलिश होने का भी जरिया है। इसलिए कॉलेज कैंपस से लेकर कॉफी कैफे, जिम, मेट्रो ट्रैवल के दौरान और सोशल मीडिया की फोटो गैलरी में, युवाओं की ज्यादातर गर्मियों की तस्वीरें एसपीएफ यानी सन प्रोटेक्शन फैक्टर की चर्चा और उसके लगे बिना अधूरी समझी जाती है।

सोशल मीडिया प्रेशर: आज की तारीख में चाहे फैशन हो या ब्यूटी ट्रेंड, सोशल मीडिया के प्रभाव से कुछ नहीं बचा। क्योंकि जब तक आपकी खूबसूरती की वाहवाही दिलाने वाली कोई फोटो इंस्टाग्राम या यू-ट्यूब शॉर्ट्स में न दिख जाए, तब तक युवाओं को उसके होने की फीलिंग ही नहीं होती। यही बात उनकी ब्यूटी स्टाइल पर भी लागू होती है। जैसे ही वह सजते-संवरते हैं, तुरंत अपनी एक फोटो खींचकर सोशल मीडिया में डाल देते हैं। हाल के सालों में ब्यूटी इंफ्लूएंसर्स ने युवाओं का कुछ इस तरह से ब्रेन बॉश किया है कि उन्हें लगता है कि ग्लोइंग स्किन केवल मेकअप से ही नहीं बल्कि स्किन की सुरक्षा से भी आती है। यही वजह है कि आजकल यूथ सनस्क्रीन का सिर्फ धूप से बचने के लिए ही नहीं इस्तेमाल करता बल्कि स्किन को ग्लो करने के लिए भी यह जरूरी माना जाने लगा है।

हो रहे हैं पॉपुलर: बाजार में टिंटेड सनस्क्रीन, जैल बेस्ड एसपीएफ प्रोडक्शन बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। आज की तारीख में जिम जाने वाले युवा चाहे लड़के हों या लड़कियां, बिना सन प्रोटेक्शन और ढेर सारा परफ्यूम लगाए नहीं जाते। यही हाल बाइक राइडिंग या आउटडोर स्पोर्ट्स खेलने वालों का भी है। दरअसल, ये सनस्क्रीन को स्किन शील्ड समझने लगे हैं, विशेषकर छोटे शहरों और कस्बों में तो इसका कोई दूसरा विकल्प ही नहीं दिखता।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट: विशेषज्ञों का मानना है कि अपने देश जैसी परिस्थितियों में युवाओं को 50 फीसदी सुरक्षा देने वाले एसपीएफ का ही इस्तेमाल करना चाहिए। हल्की धूप में इसके इस्तेमाल को आदत नहीं बनाना चाहिए और हर दो-तीन घंटे के बाद सनस्क्रीन को धो देना चाहिए, इसके बाद फिर से उसे लगाना चाहिए। समुद्र किनारे घूमने या पहाड़ों पर सैर-सपाटे के लिए निकलते समय इसे अप्लाई करना स्किन केयर के लिहाज से फायदेमंद है। *

फैशन जोन / संध्या सिंह

तपती गर्मी के इस मौसम में यंगस्टर्स को लाइट और कंफर्टेबल फुटवियर ही भा रहे हैं। इनमें से कौन से हैं सबसे ट्रेंड में, जानिए।

इस सीजन में यंगस्टर्स की पसंद
लाइट-कंफर्टेबल फुटवियर

तपती धूप, बहता पसीना, लगातार आसमान से बरसती आग। गर्मियों में फैशन से पहले आराम का ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए आमतौर पर बंद और फैशनेबल जूतों के शौकीन युवा भी इन दिनों हल्के-फुल्के, आरामदायक और जिनसे होकर हवा आर-पार गुजर जाती है, ऐसे फुटवियर की तलाश में रहते हैं। कॉलेज कैंपस से लेकर मेट्रो स्टेशन और ट्रैवल ब्लॉग तक हर जगह इन दिनों आरामदायक फुटवियर्स को ही तरजीह दी जा रही है। यही कारण है कि समर सीजन का सबसे बड़ा ट्रेंड कंफर्ट फैशन बन चुका है।

स्लाइडर्स-स्नीकर्स: इन गर्मियों में सबसे ज्यादा लोकप्रियता स्लाइडर्स और हल्के स्नीकर्स को मिल रही है। स्लाइडर यानी खुले रबर या फोम वाले आरामदायक फुटवियर। आजकल इन्हें युवा कैजुअल ड्रेसेस के साथ खूब पसंद कर रहे हैं। इन्हें एयरपोर्ट लुक, कॉलेज फैशन और ट्रैवल स्टाइल का भी तमगा मिल चुका है। गर्मियों में इन्हें पहनकर पैरों को पर्याप्त हवा मिलती रहती है। लड़कियां और लड़के दोनों ही इन्हें जींस, कुर्ती, ट्राउजर और यहां तक कि इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेस के साथ भी पहन रहे हैं।

कोल्हापुरी-प्लेटफॉर्म चप्पलें: युवाओं के बीच इन गर्मियों में कोल्हापुरी, स्ट्रेपी सैंडल और प्लेटफॉर्म चप्पलों का ट्रेंड भी लौटकर आया है। वास्तव में गर्मियों में फुटवियर चुनते समय अब युवा फैशन के साथ-साथ हेल्थ को भी इंपॉर्टेंस देते हैं। डॉक्टरों का मानना है कि लंबे समय तक बहुत टाइट या भारी जूते पहनने से पैरों में पसीना और फंगल इंफेक्शन के कारण दर्द की समस्या परेशान करती है। यही कारण है कि सांस लेने योग्य यानी ब्रीदेबल मैटीरियल वाले फुटवियर की मांग भी है। यही कारण है कि फैब्रिक और लाइट फोम के बने फुटवियर इन गर्मियों में खूब पसंद किए जा रहे हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग का असर: बाजार के जानकारों का मानना है कि फैशन केवल खरीदारों की मर्जी से नहीं बदलता बल्कि बाजार अपने को नया करते रहने के क्रम में खुद भी नए फैशन इंट्रोड्यूस करता है ताकि उसकी टारगेट बिक्री का सिलसिला बना रहे। यही कारण है कि इस साल ऑनलाइन शॉपिंग और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में भी अपनी बिक्री को नई ऊंचाइयां देने के लिए गर्मी के लिए कई तरह के फुटवियर लांच किए हैं। जो छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक में युवाओं को भा रहे हैं और ये उनकी ऑनलाइन शॉपिंग को भी अच्छी ड्राइव दे रहे हैं।

लेकिन ऑनलाइन बाजार बहुत स्मार्ट होता है। वह जानता है कि ऑनलाइन बाजार में वही चीज होगी, जो नई होगी, जिसमें फैशन और स्टाइल की ताजगी होगी और सबसे बड़ी बात जो बजट में होगी। कुल मिलाकर समर फुटवियर केवल फैशन तक सीमित नहीं है। इसमें आराम, स्वास्थ्य, मौसम और बजट का भी ध्यान रखा गया है।

इन बातों का रखें ध्यान: इस सीजन में फुटवियर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखें। जैसे- बहुत टाइट जूते खरीदने से बचें। ऐसे मैटीरियल के फुटवियर चुनें, जिनमें हवा आर-पार आराम से होती हो। लंबे समय तक पहनने के लिए हल्के फुटवियर बेहतर होते हैं। ऐसे जूते न पहनें जिनको पहनने से पसीना आता हो। केवल फैशन नहीं, पैर के आराम का ध्यान रखना भी जरूरी है। *

अपने आरंभिक दौर से ही प्रेम हिंदी फिल्म मेकर्स का पसंदीदा सब्जेक्ट रहा है। शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर आज भी प्रेम कहानियों को बदलते रूपों में पेश किया जाता रहा है। प्रेम पर आधारित अलग-अलग दौर की कुछ फेमस फिल्मों पर एक नजर।

हर दौर में रहा बरकरार
लव-बेस्ड फिल्मों का जलवा

सिने ट्रेंड / हेमंत पाल

अपने आरंभिक दौर से लेकर आज तक भी प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय माना जाता रहा है। बॉलीवुड में बनी ज्यादातर फिल्मों की कहानियां प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही बुनी गई हैं। जब आम जिंदगी की प्रेम कहानियां पर्दे पर उतरती हैं, तो वे 'लार्जर देन लाइफ' यानी जिंदगी से बड़ी नजर आने लगती हैं। दर्शक फिल्मों के जरिए अपने ही अधूरे सपनों और कल्पनाओं को जीने की कोशिश करते हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर रोमांटिक फिल्मों की सफलता का बड़ा कारण है। लेकिन प्रेम का स्वरूप फिल्मों में बदलता रहा है।

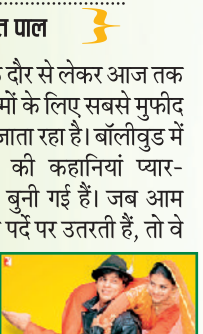

प्रेम का आदर्श रूप: 1930 से 1950 का दशक आदर्शवाद और सामाजिक बंधन का रहा। उस दौर में प्रेम कहानियों को सामाजिक बंधनों और पारिवारिक मूल्यों के आइने में देखा जाता था। 'देवदास' जैसी फिल्मों ने उस कालखंड में प्रेम, त्याग और सामाजिक वर्जनाओं के बीच के संघर्ष को बेहद आदर्शवादी और भावनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रेम का यथार्थवादी ढंग: 1960 से 1970 का दशक यथार्थवाद और समकालीनता का रहा। आजादी के शुरुआती दौर के बाद का यह दशक प्रेम कहानियों से दोबारा गुलजार हुआ। उस दौरान 'मुगल-ए-आजम', 'प्रेम कहानी' जैसी फिल्में बनीं। इस दौर की फिल्मों में प्यार के साथ-साथ व्यक्तिगत संघर्षों, दोस्ती और बदलते पारिवारिक ढांचों के जटिल पहलुओं को अधिक यथार्थवादी ढंग से पेश किया गया।

सिनेमाई रोमांस का सुनहरा दौर: 1980 से 1990 का दशक हिंदी सिनेमा में प्यार और रोमांस का स्वर्ण काल माना जा सकता है। 'मैंने प्यार किया' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों ने युवा सोच को काफी प्रभावित किया। उस दौर की अधिकतर फिल्मों में प्रेम, संगीत, नृत्य और पारिवारिक मूल्यों का ऐसा मिश्रण हुआ करता था, जिसने प्रेम को एक बेहद सुखद और आशावादी दृष्टिकोण प्रदान किया।

प्रेम का आधुनिक-परिपक्व रूप: साल 2000 के बाद के दौर में फिल्मों में प्रेम कहानियों के साथ-साथ विविधता और सामाजिक मुद्दे उठाए गए। नई सदी आते ही प्रेम कहानियों में सामाजिक मुद्दे हावी होने लगे। 'गदरः एक प्रेम कथा' और 'तेरे नाम' जैसी फिल्मों ने दिखाया कि कैसे प्यार, देशभक्ति और सामाजिक संघर्षों के बीच पिसता है।

न्यू-जनरेशन के प्यार को परिभाषित करने के लिए 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ऐ हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेक अप सिड', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी 2', 'मसान' और 'तमाशा' जैसी कई सारी फिल्में आईं, जिसने प्यार के आधुनिक और परिपक्व रूपों को सामने रखा।

ताजी हवा के झोंके जैसी-सैयारा: आज के दौर में जहां बॉक्स ऑफिस और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स हिंसा, अपराध गाली-गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज से अटे पड़े हैं, वहां पिछले साल रिलीज फिल्म 'सैयारा' ताजी हवा के एक झोंके की तरह आई। दर्शक लंबे समय से पर्दे पर मेलोड्रामा और कोमल भावनाओं की कमी महसूस कर रहे थे। लंबे अर्से बाद सिनेमाघरों में ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने बॉलीवुड के सुनहरे दौर की याद दिला दी। 'सैयारा' की सहज प्रेम कहानी ने सीधे दर्शकों के दिलों को छू लिया।

बदलता रहा प्रेम का रूप: फिल्म इंडस्ट्री के सवा सौ साल के इतिहास में प्रवृत्तियां बदलती रहीं, तकनीक उन्नत होती रही और दर्शकों का मिजाज भी बदलता रहा। लेकिन 'मुगल-ए-आजम', 'देवदास' जैसी फिल्मों से होता हुआ यह रूहानी सफर आज 'सैयारा' तक आते-आते भी उतना ही प्रासंगिक और असरदार बना हुआ है। वक्त चाहे कितना भी बदल जाए, दिल को छूने वाली प्रेम आधारित फिल्में हमेशा दर्शकों की पसंद बनी रहेंगी। *

प्रेम आधारित फिल्मों से स्टार्स डेब्यू

हिंदी सिनेमा ने बार-बार नए चेहरों को लॉन्च करने के लिए प्रेम कहानियों का ही सहारा लिया है। रोमांटिक फिल्मों से करियर की शुरुआत करने वाले सितारों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। 'बॉबी' से ऋषि कपूर और डिंपल कपाड़िया की जोड़ी ने युवाओं को दीवाना बनाया। 'लव स्टोरी' के जरिए कुमार गौरव और विजेता पंडित रातों-रात स्टार बने। 'बेताब' से सनी देओल और अमृता सिंह तथा 'रॉकी' से संजय दत्त और टीना मुनीम ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन और रति अग्निहोत्री, तो 'कयामत से कयामत तक' में आमिर खान ने प्यार को नई परिभाषा दी। 'मैंने प्यार किया' से सलमान खान और भाग्यश्री की मासूमियत दर्शकों के दिलों में बस गई। यही सिलसिला आगे चलकर अजय देवगन-मधुश्री (फूल और कांटे), ऋतिक रोशन-अमीषा पटेल (कहो ना प्यार है), राहुल रॉय-अनु अग्रवाल (आशिकी), शाहिद कपूर-अमृता राव (इश्क-विश्क), दीपिका पादुकोण (ओम शांति ओम), रणवीर सिंह (बैंड बाजा बारात) और आलिया भट्ट-सिद्धार्थ मल्होत्रा व वरुण धवन (स्टूडेंट ऑफ द ईयर) के रूप में जारी रहा।